हरिभूमि
हिसार-हांसी भूमि
रोहतक, सोमवार 6 जुलाई 2026

13 पेयजल संकट से परेशान ग्रामीण पहुंचे जलघर...

14 कल उपायुक्त को ज्ञापन देकर करेंगे संघर्ष की शुरूआत

खबर संक्षेप

सोने के 6 ताबीजों समेत चोरी का आरोपी दबोचा

बरवाला। पुलिस ने सोने के 6 ताबीज चोरी करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। बरवाला थाना प्रभारी निरीक्षक दलबीर सिंह ने बताया कि वार्ड 18 निवासी बीरू राम ने शिकायत दी थी कि उसके घर से सोने के छह ताबीज किसी ने चोरी कर लिए हैं। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच की और सीसीटीवी फुटेज के जरिये आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी की पहचान वार्ड 6 निवासी सुरजीत के रूप में हुई है। पूछताछ में की निशानदेही पर चोरी किए गए छह सोने की ताबीज बरामद कर लिए गए हैं।

नई अनाज मंडी में लूट का आरोपी गिरफ्तार

हिसार। अनाज मंडी पुलिस चौकी की टीम ने लूट के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उससे लूटी गई नकदी बरामद की है। एएसआई सुनील कुमार ने बताया कि नई अनाज मंडी क्षेत्र में एक व्यक्ति से मारपीट कर नकदी छीनने की शिकायत प्राप्त हुई थी। एचटीएम थाना में केस दर्ज कर जांच मुख्य सिपाही नसीब कुमार पुलिस चौकी अनाज मंडी को सौंपी गई। जांच के दौरान पुलिस टीम ने तकनीकी एवं मानवीय साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी 12 क्वार्टर निवासी हिमांशु को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने वारदात में संलिप्तता स्वीकार की। आरोपी की निशानदेही पर छीनी गई नकदी बरामद कर ली गई।

काजला गोशाला में चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार

हिसार। अग्रोहा पुलिस ने गोशाला में चोरी करने के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया दानपात्र, उसमें रखी नकदी तथा गेहूं का कट्टा भी बरामद कर लिया है। थाना अग्रोहा से उप निरीक्षक सुमेर सिंह ने बताया कि काजला गोशाला के सचिव एवं महजत निवासी सुभाष की शिकायत पर अग्रोहा थाना में मामला दर्ज किया गया था जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के जरिये आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान न्योली कलां निवासी अनिल उर्फ सेठी व काजलां निवासी रमेश उर्फ बुद्धू के रूप में हुई है। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने चोरी किया गया दानपात्र, उसमें रखी नकदी तथा गेहूं का कट्टा बरामद कर लिया है।

नशीले कैप्सूल तस्करी में मुख्य सप्लायर काबू

हिसार। मंगाली चौकी पुलिस ने नशीले कैप्सूल सप्लाई करने वाले मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मंगाली चौकी प्रभारी सहायक उप निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि नशीले कैप्सूलों के साथ गिरफ्तार आरोपी मंगाली आकलान निवासी संदीप ने रिमांड के दौरान खुलासा किया कि उससे बरामद किए गए 480 नशीले कैप्सूल राजस्थान के फतेहपुर शेखावाटी निवासी मुकेश कुमार चोटिया ने उपलब्ध करवाए थे। इस पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य सप्लायर मुकेश कुमार चोटीया को गिरफ्तार कर लिया।

शांतिपूर्ण व सुव्यवस्थित ढंग से एचटेट संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा के दूसरे दिन रविवार को जिले में लेवल-2 एवं लेवल-1 की परीक्षाएं शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित वातावरण में संपन्न हुईं। परीक्षा के लिए प्रशासन एवं पुलिस की ओर से जहां कड़े प्रबंध किए गए थे वहीं परीक्षार्थियों को लाने व ले जाने के लिए परिवहन विभाग ने प्रबंध कर रखे थे। रविवार को पहली व दूसरी शिफ्ट के तहत दो चरणों में परीक्षा हुई। पहली शिफ्ट में 11643 व दूसरी शिफ्ट में 3355 परीक्षार्थियों को शामिल होना था। पहली शिफ्ट में 10080 ने परीक्षा दी, जबकि 1563 अनुपस्थित रहे। इसी तरह दूसरी शिफ्ट में कुल 3355 में 2617 ने परीक्षा दी, जबकि 738 अनुपस्थित रहे। पहली शिफ्ट के लिए 37 व दूसरी शिफ्ट के लिए 11 सेंटर निर्धारित किए गए थे। रविवार को प्रातःकालीन सत्र में सुबह 10 बजे से दोपहर बाद 12:30 बजे तक लेवल-2 (टीजीटी) की परीक्षा एवं सायं कालीन सत्र में दोपहर बाद 3 बजे से 5:30 बजे तक लेवल-1 (पीआरटी) की परीक्षा हुई। उपायुक्त महेन्द्र पाल व अन्य अधिकारियों ने विभिन्न सेंटरों का दौरा करके परीक्षा संचालन का जायजा लिया।

सुरक्षा के कड़े प्रबंधों के बीच 12697 ने दी परीक्षा

इन रूटों पर चलीं बसें

रोडवेज प्रशासन ने परीक्षार्थियों को उनके परीक्षा केन्द्र तक पहुंचाने के लिए विशेष बसों का प्रबंध किया। इसके तहत विभाग ने लोकल बस अड्डे से पांच बूथों से विभिन्न परीक्षा केन्द्रों तक बसें चलाई। यातायात प्रबंधक प्रीतम कुमार पल—पल की स्थिति पर नजर रखे रहे वहीं विभाग के निरीक्षकों, उप निरीक्षकों व अन्य कर्मचारियों ने भी परीक्षार्थियों को परीक्षा केन्द्रों तक पहुंचाने में मदद की।

टीएम ने एक छात्रा को बोलेरो से भेजा सेंटर तक

रोडवेज के लोकल बस अड्डे पर परीक्षार्थियों के लिए विशेष बसों का प्रबंध किया हुआ था। इसी दौरान गोहाना से आई एक छात्रा संगीत लता को पहुंचने में हो रही देरी को देखते हुए यातायात प्रबंधक प्रीतम कुमार ने विभाग की बोलेरो गाड़ी से उसके सेंटर तक पहुंचाया। आसपास के लोगों ने यातायात प्रबंधक व रोडवेज कर्मचारियों के इन प्रयासों की प्रशंसा की।

घायल भाई को अस्पताल और छात्रा को पहुंचाया परीक्षा केंद्र

ईआरवी-323 को सूचना प्राप्त हुई कि एक मोटरसाइकिल एवं कार की टक्कर में मोटरसाइकिल चालक लितानी निवासी नवीन घायल हो गया है। सूचना मिलते ही ईआरवी-323 के प्रभारी सहायक उप निरीक्षक रणजीत सिंह अपनी टीम सहित तुरंत मौके पर पहुंचे और बिना समय गंवाए घायल को उपचार के लिए जिले के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। उपचार के दौरान घायल नवीन ने पुलिस को बताया कि वह अपनी बहन रूपेश को एचटेट परीक्षा दिलाने के लिए बस स्टेंड से चिकनवास गांव स्थित श्री चेतन्या फ्यूचर पाथवे स्कूल स्थित परीक्षा केंद्र लेकर जा रहा था। दुर्घटना के कारण उसकी बहन परीक्षा केंद्र तक नहीं पहुंच पाएगी। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए ईआरवी टीम ने तुरंत छात्रा रूपेश से संपर्क किया और मात्र 15 मिनट के भीतर उसे सुरक्षित परीक्षा केंद्र पहुंचाया। पुलिस की त्वरित एवं मानवीय पहल के कारण छात्रा निर्धारित समय पर परीक्षा में शामिल हो सकी। छात्रा रूपेश एवं उसके परिजनों ने हिसार पुलिस की तत्परता, संवेदनशीलता और जनसेवा की भावना के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया।

डीसी ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

उपायुक्त महेंद्र पाल ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का दौरा कर परीक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा अधिकारियों को परीक्षा का संचालन बोर्ड के दिशा-निर्देशों के अनुरूप पूरी पारदर्शिता एवं सतर्कता के साथ प्रबंधों की जांच की। उपायुक्त ने परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों की पहचान, प्रवेश प्रक्रिया, सीसीटीवी निगरानी, पेयजल, बिजली तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र अधीक्षकों एवं ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों से परीक्षा संचालन संबंधी जानकारी ली। उपायुक्त ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा परीक्षा के सफल आयोजन के लिए सभी आवश्यक प्रबंध पहले से ही सुनिश्चित किए गए थे। पुलिस प्रशासन, शिक्षा विभाग, परिवहन विभाग, स्वास्थ्य विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने आपसी समन्वय से जिम्मेदारियों का निर्वहन किया।

व्हीलचेयर से दिव्यांग छात्रा को केंद्र तक पहुंचाया

दिल्ली बाईपास स्थित गवर्नमेंट गर्ल्स महाविद्यालय में आयोजित परीक्षा के दौरान एक दिव्यांग छात्रा को परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में कठिनाई हो रही थी। मौके पर तैनात पुलिसकर्मी सिपाही जितेन्द्र ने तत्परता और संवेदनशीलता का परिचय देते हुए छात्रा को व्हीलचेयर के माध्यम से सुरक्षित एवं सम्मानपूर्वक परीक्षा कक्ष तक पहुंचाया, जिससे वह बिना किसी परेशानी के अपनी परीक्षा में सम्मिलित हो सकी।

हादसे के बीच पुलिस बनी सहारा

ईआरवी राइडर-39 को वाहन दुर्घटना संबंधी सूचना मिली। सूचना मिलते ही ईआरवी टीम तुरंत मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। मौके पर मौजूद कॉलर ने पुलिस को बताया कि उनकी गाड़ी का एक्सीडेंट हो गया है तथा उनकी पत्नी का एचटेट का पेपर है। दुर्घटना के कारण उनके लिए समय पर परीक्षा केंद्र पहुंचना संभव नहीं हो पा रहा था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ईआरवी-39 की टीम ने बिना समय गंवाए मानवता और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए कॉलर की पत्नी को सुरक्षित उसके परीक्षा केंद्र गगंवा तक पहुंचाया। पुलिस की त्वरित कार्रवाई के कारण अभ्यर्थी निर्धारित समय पर परीक्षा केंद्र पहुंचकर परीक्षा में शामिल हो सकी। अभ्यर्थी एवं उसके परिवार ने पुलिस का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पुलिस की समय पर मिली सहायता से उनका एक महत्वपूर्ण अवसर सुरक्षित हो गया।

एनएचएआई की एनओसी न मिलने से अटकी 61.44 करोड़ की अमृत-2 पेयजल परियोजना

हांसी के लिए पेयजल लाइन बिछाने के काम पर लगा ब्रेक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

हांसी शहर को बरवाला ब्रांच से नहरी पेयजल उपलब्ध कराने के लिए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा शुरू की गई करीब 61.44 करोड़ रुपये की अमृत-2 पेयजल परियोजना फिलहाल ठप हो गई है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) से अनापत्ति प्रमाण पत्र नहीं मिलने के कारण विभाग ने पाइपलाइन बिछाने का कार्य अस्थायी रूप से रोक दिया है।

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कार्यकारी अभियंता संजीव त्यागी ने हांसी रेस्ट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि परियोजना का लगभग 60 प्रतिशत कार्य पूरा किया जा चुका है। इस योजना का उद्देश्य बरवाला ब्रांच से हांसी शहर तक नहरी पेयजल पहुंचाकर शहर को स्थायी और बेहतर जलापूर्ति उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले 24 जून को एनएचएआई की ओर से विभाग को पत्र मिला, जिसमें राष्ट्रीय राजमार्ग-148बी के चौड़ीकरण कार्य का हवाला देते हुए पाइपलाइन बिछाने का कार्य तत्काल प्रभाव से रोकने के निर्देश दिए गए। एनएचएआई ने स्पष्ट किया है कि सड़क की अंतिम चौड़ाई, राइट ऑफ वे (आरओडब्ल्यू) और तकनीकी डिजाइन को अंतिम मंजूरी मिलने तक पाइपलाइन डालने की अनुमति नहीं दी जा सकती। जब एनओसी प्राप्त नहीं हुई थी तो परियोजना का कार्य कैसे शुरू किया गया, के सवाल पर कार्यकारी अभियंता ने कहा कि शहर में पेयजल की बढ़ती जरूरत और जनहित को देखते हुए कार्य शुरू किया गया था।

विभाग को उम्मीद थी कि निर्धारित प्रक्रिया के तहत समय रहते एनओसी मिल जाएगी। अधिकारियों ने कहा कि कई सरकारी परियोजनाओं में विभागों के बीच समन्वय और संभावित स्वीकृतियों के आधार पर भी कार्य प्रारंभ किया जाता है।

60 प्रतिशत काम पूरा, एनओसी के बाद ही आगे बढ़ेगी योजना

कार्यकारी अभियंता संजीव त्यागी ने स्पष्ट किया कि परियोजना को रद्द नहीं किया गया है, बल्कि केवल अस्थायी रूप से रोका गया है। विभाग ने एनएचएआई से एनओसी के लिए आवेदन कर रखा है और स्वीकृति मिलने का इंतजार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि एनओसी मिलने में कुछ महीने से लेकर एक वर्ष तक का समय लग सकता है। यदि तकनीकी कारणों से मौजूदा मार्ग पर अनुमति नहीं मिलती है तो विभाग पाइपलाइन के रूट में बदलाव के विकल्प पर भी विचार करेगा। उन्होंने बताया कि फिलहाल, एनएचएआई से औपचारिक मंजूरी मिलने तक हांसी शहर को बरवाला ब्रांच से नहरी पेयजल उपलब्ध कराने की यह महत्वपूर्ण अमृत-2 परियोजना रुकी रहेगी।

काम रोकेने पर धरना कमेटी का सरकार पर निशाना

भाखड़ा पाइपलाइन का कार्य रोके जाने के बाद धरना कमेटी ने सरकार की कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। धरना कमेटी के सदस्य अनूप ने कहा कि ऐसे सरकारी प्रोजेक्ट बीच में रद्द नहीं किए जाते। उनका आरोप है कि सरकार इस मामले में कार्यकारी अभियंता को बलि का बकरा बना रही है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों पर दर्ज किए गए मामले भी कार्यकारी अभियंता के बयान के आधार पर दर्ज हुए थे। धरना कमेटी का स्पष्ट कहना है कि जब तक गांव को पेयजल उपलब्ध नहीं कराया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। अनूप ने बताया कि जल्द ही ग्रामीणों की एक बैठक बुलाई जाएगी, जिसमें सर्वसम्मति से आंदोलन की आगामी रणनीति तय की जाएगी।

चानौत धरने की कवरेज करने वाले बंद सोशल मीडिया चैनल खुलवाने के लिए लगाया जाम

हांसी। गांव चानौत में चल रहे पेयजल आंदोलन की कवरेज करने वाले 30 से अधिक सोशल मीडिया चैनलों को दोबारा चालू करवाने की मांग पर रविवार को ग्रामीणों ने हांसी-बरवाला रोड पर जाम लगा दिया। दोपहर एक बजे हांसी बरवाला रोड़ जाम कर दिया आधे घंटे में सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। ग्रामीणों का आरोप था कि सरकार द्वारा आंदोलन की कवरेज करने वाले सोशल मीडिया चैनलों को बंद कर आंदोलन की आवाज दबाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि संबंधित चैनलों को जल्द बहाल किया जाए। जाम की सूचना मिलने पर सदर थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से बातचीत कर जाम खुलवाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण अपनी मांगों पर अड़े रहे। और जब तक बंद सोशल मीडिया चैनल शुरू नहीं किए जाएंगे उनका यह विरोध जारी रहेगा। भारी विरोध के चलते ग्रामीणों ने थाना प्रभारी को वापस भेज दिया। इसके बाद डीएसपी रविन्द्र सांगवान मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी मांगों पर जल्द उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। डीएसपी रविन्द्र सांगवान ने सोमवार तक बंद चैनलों को पुनः शुरू करवाने का आश्वासन दिया उन्होंने कहा कि यदि उसके बाद भी कोई सोशल मीडिया चैनल बंद रह जाता है तो वह पर्सनली आकर हमें बता सकता है उसका चैनल ओपन करवा दिया जाएगा। डीएसपी रविन्द्र सांगवान से मिले आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने यह कहते हुए जाम खोल दिया कि यदि कल दोपहर तक बंद सोशल मीडिया चैनल को शुरू नहीं किया गया तो वो पुनः सड़क जाम करने से गुरेज नहीं करेंगे। आधे घंटे चले जाम के दौरान पुलिस ने वैकल्पिक रास्तों से वाहनों को भेजा गया। जाम खुलने के बाद बरवाला रोड़ पर यातायात फिर से सामान्य हो गया। जाम के दौरान हांसी-बरवाला मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। कई वाहन चालकों को वैकल्पिक रास्तों का सहारा लेना पड़ा, जबकि इस दौरान आम लोगों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

गैबीपुर हत्याकांड में छह नामजद

विष्णु को मारने के बाद मुख्य आरोपि रवि ने की आत्महत्या

■ एफआईआर दर्ज, दोनों शवों का पोस्टमार्टम के बाद अंतिम संस्कार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बरवाला

गैबीपुर नहर पर शनिवार को हुए सनसनीखेज चाकू हमले में 25 वर्षीय विष्णु की हत्या के मामले में बरवाला थाना पुलिस ने छह लोगों के खिलाफ हत्या समेत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार वारदात के बाद मुख्य आरोपी रवि ने उचाना कलां रेलवे लाइन के पास आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने रविवार को विष्णु व रवि दोनों के शव पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिए।

पुलिस को दी शिकायत में गांव बुढ़ाखेड़ा निवासी राधेश्याम ने बताया कि उसका चचेरा भाई विष्णु शनिवार दोपहर करीब तीन बजे अपने दोस्त पारस के साथ गैबीपुर नहर पर कार धोने और नहाने गया था। इसी दौरान मोटरसाइकिल पर आए युवकों ने दोनों पर चाकुओं से हमला कर दिया। हमले में विष्णु की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पारस गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल का अस्पताल में उपचार चल रहा है। शिकायतकर्ता राधेश्याम ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि प्रभुवाला निवासी रवि, असमल, एक बाबा नाई, रामभजन, मॉल्ड और सेठी ने चाकुओं से हमला कर विष्णु की हत्या कर दी तथा पारस को गंभीर रूप से घायल कर दिया। शिकायत के आधार पर बरवाला पुलिस ने छहों आरोपितों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस फरार अन्य आरोपितों की तलाश में लगातार दबिश दे रही है और मामले की जांच जारी है।

जांच में जुटी पुलिस

पुलिस का कहना है कि मामले में सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है। एफआईआर के अनुसार सूचना मिलने पर थाना प्रभारी निरीक्षक दलबीर सिंह पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए और बाद में अग्रोहा मेडिकल कॉलेज की मोर्चरी में मृतक के परिजनों के बयान दर्ज किए। बयान के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू की गई। उधर, पुलिस के अनुसार वारदात को अंजाम देने के बाद मुख्य आरोपित रवि ने उचाना कला रेलवे लाइन के पास आत्महत्या कर ली थी।

दो बेटियों का पिता था विष्णु

25 वर्षीय विष्णु दो बेटियों के पिता थे। देर शाम गांव बुढ़ाखेड़ा में गमगीन माहौल में उनका अंतिम संस्कार किया गया। विष्णु की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

हादसे में घायल युवक की चार दिन बाद मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

बाइक पर पत्नी को लेने जा रहे सैनीपुरा गांव निवासी 26 वर्षीय रवि की सड़क हादसे में चार दिन तक जिंदगी और मौत से जूझने के बाद मौत हो गई। रवि अपनी पत्नी को मायके से लेने जुलाना जा रहा था, कि इसी दौरान देशखेड़ा गांव के पास उसकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। हादसे में उसके सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आईं। राहगीरों ने घायल रवि को जुलाना के अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया गया। परिजनों को हादसे की जानकारी नहीं थी। वे उसे ससुराल पहुंचा हुआ मान रहे थे। अगले दिन उन्होंने रवि के मोबाइल पर फोन किया तो पीजीआई की एक नर्स ने कॉल उठाकर दुर्घटना की सूचना दी। इसके बाद परिजन तुरंत रोहतक पहुंचे और उसे हिसार के एक निजी अस्पताल लाया गया, जहां शनिवार देर शाम उसकी मौत हो गई। रविवार को पोस्टमार्टम के बाद उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया।

पीजीआई पर लगाया समय पर सूचना न देने का आरोप

मृतक के परिजनों ने पीजीआई रोहतक पर समय पर सूचना न देने और इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि यदि समय पर उचित उपचार मिलता तो रवि की जान बचाई जा सकती थी। रवि फास्ट फूड का काम कर परिवार का पालन-पोषण करता था। वह अपने पीछे पत्नी और दो बच्चे छोड़ गया है।

विदेश भेजने के नाम पर धोखाधड़ी करने का आरोपी पकड़ा, पहले भी दर्ज हैं 3 केस

हिसार। अर्बन एस्टेट पुलिस ने विदेश भेजने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान किरतान निवासी नवीन के रूप में हुई है। थाना अर्बन एस्टेट से पीएसआई विकास के अनुसार प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी ने शिकायतकर्ता को विदेश भेजने का झांसा देकर उससे धनराशि ली तथा उसे वैध प्रक्रिया के बजाय बैंकॉक के रास्ते म्यांमार भेज दिया। म्यांमार पहुंचने पर शिकायतकर्ता को वहां गिरफ्तार कर लिया गया, जिससे उसे भारी मानसिक, आर्थिक एवं कानूनी परेशानियों का सामना करना पड़ा। जांच के दौरान यह भी पता चला है कि आरोपी के विरुद्ध इसी प्रकार की धोखाधड़ी के तीन अन्य मामले भी पहले से दर्ज हैं। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की गहनता से जांच कर रही है तथा यह पता लगाया जा रहा है कि आरोपी ने अन्य लोगों के साथ भी इसी प्रकार की धोखाधड़ी तो नहीं की है।

जिम संचालक कपिल रेढ़ू हत्याकांड के दोनों मेन शूटर बहादुरगढ़ मुठभेड़ में ढेर

■ अब साजिशकर्ताओं और पनाह देने वालों पर हांसी पुलिस का फोकस

हांसी। पिछले माह हांसी के चर्चित जिम संचालक कपिल रेढ़ू हत्याकांड को अंजाम देने वाले लॉरेंस बिश्नोई गैंग के दोनों मुख्य शूटर आखिरकार 25 दिन बाद रविवार अल सुबह बहादुरगढ़ में हरियाणा एसटीएफ और दिल्ली पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में मारे गए। मृतकों की पहचान हिसार के टिब्बा दानाशेर निवासी प्रवेश और जाखोद खेड़ा निवासी हिमांशु के रूप में हुई है। मारे गए दोनों आरोपियों पर एक-एक लाख रुपये का इनाम घोषित था। दोनों शूटरों के मारे जाने की सूचना मिलने पर कपिल रेढ़ू के परिजनों ने संतोष व्यक्त करते हुए पुलिस की कार्रवाई की सराहना की। परिजनों ने कहा कि आखिरकार उनके बेटे की हत्या करने वाले आरोपियों को उनके अंजाम तक पहुंचा दिया गया। हालांकि, मुख्य शूटरों के मारे जाने के बावजूद हांसी पुलिस की जांच अभी खत्म नहीं हुई है। अब पुलिस का पूरा ध्यान हत्या की साजिश रचने वालों, शूटरों को पनाह देने वाले लोगों और गैंग के अन्य सहयोगियों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई पर रहेगा।

पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि दोनों शूटरों के एनकाउंटर में मारे जाने के बाद अब जांच का केंद्र हत्या की साजिश रचने वाले मुख्य आरोपी, गैंग के अन्य सहयोगी तथा वारदात के बाद आरोपियों को पनाह और सहयोग देने वाले लोग होंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस मामले में किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा और सभी आरोपियों को कानून के दायरे में लाया जाएगा।

फव्वारा चौक पर 11 जून को बरसाई थीं गोलियां

11 जून की सुबह करीब साढ़े 5 बजे प्रवेश और हिमांशु ने हांसी के फव्वारा चौक के पास उस समय जिम संचालक कपिल रेढ़ू पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दी थीं, जब वह दुकानों के बाहर बनी सीढ़ियों पर युवकों को वार्म-अप करवा रहे थे। वारदात के दौरान गोली लगने से एक शिखा नामक युवती भी घायल हुई थी। हत्या की वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपी बाइक पर सवार होकर मौके से फरार हो गए थे। हत्या के करीब पांच घंटे बाद लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े हैरी बॉक्सर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर हत्या की जिम्मेदारी ली थी। इसके बाद हांसी पुलिस ने कपिल की मां के बयान पर हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस के सामने आया कि वारदात के पीछे लॉरेंस बिश्नोई गैंग का हाथ है। इसके बाद दोनों शूटरों पर एक-एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था। हांसी पुलिस ने उनकी तलाश में कई राज्यों में लगातार दबिश दी, लेकिन दोनों लंबे समय तक गिरफ्तारी से बचते रहे। लेकिन रविवार सुबह बहादुरगढ़ में हरियाणा एसटीएफ और दिल्ली पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में दोनों का अंत हो गया।

प्रदेश सरकार ने परियोजना के लिए किया है 22.38 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान

बाडोपट्टी में 6 एकड़ में बनेगी आईटीआई, कैबिनेट मंत्री ने रखी आधारशिला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हरियाणा के लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने रविवार को गांव बाडोपट्टी में बनने वाले नए औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के भवन की आधारशिला रखी। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए राज्य सरकार की ओर से 22.38 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया गया है। भवन का निर्माण हरियाणा लोक निर्माण विभाग के माध्यम से कराया जाएगा। संस्थान का निर्माण करीब 6.08 एकड़ भूमि पर किया जाएगा। शिलान्यास कार्यक्रम में पहुंचने पर बरवाला क्षेत्र के विभिन्न गांव के पंच, सरपंचों व अन्य जनप्रतिनिधियों ने कैबिनेट मंत्री को सम्मान सूचक पगड़ी पहनाई और शौर्य स्वरूप गदा भेट की।

अपने संबोधन में कैबिनेट मंत्री ने बताया कि प्रस्तावित आईटीआई भवन आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होगा। इसमें प्रशासनिक ब्लॉक, प्रधानाचार्य कक्ष, कार्यालय, स्टाफ रूम, पुस्तकालय, कंप्यूटर लैब, ड्राइंग हॉल, इलेक्ट्रिशियन एवं स्टेनोग्राफी कक्ष, विभिन्न ट्रेडों के लिए आधुनिक थ्योरी एवं प्रैक्टिकल लैब, बहुउद्देशीय हॉल, रेडियोलॉजी टेक्नीशियन कक्ष, छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग शौचालय तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसके अतिरिक्त भवन परिसर में कैंटीन, रसोई, स्टोर, कॉमन रूम और अन्य सहायक सुविधाओं का भी निर्माण किया जाएगा। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं को गुणवत्तापूर्ण तकनीकी एवं कौशल आधारित शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

14 लाख की लागत से जल्द शुरू होगा फिरनी का काम

इस दौरान उन्होंने सरपंच पवन शास्त्री की ओर से रखी गई मांगों को पूरा करने की घोषणा की। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि गांव बाड़ोपट्टी में एक करोड़ 14 लाख रुपए की लागत से फिरनी का कार्य जल्द ही पूरा किया जाएगा। हिसार में इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर का कार्य तेजी से चल रहा है। इसके लिए 700 करोड रुपए से अधिक का टेंडर जल्द ही अलॉट किया जाएगा। गांव में ही खेत खलिहान योजना के तहत तीन नए रास्ते शुरू करवाने और 2 करोड़ 80 लाख रुपए की लागत से वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट, चैनल व टैंक बनाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर महंत राज दास, एसडीएम अश्वीर नैन, विष्णु, मांगेराम, सतपाल, आशीष जांगड़ा, पार्षद ओपी मालिया, भजनलाल, चंद्राराम गुरी, कृष्ण वर्मा आदि थे।

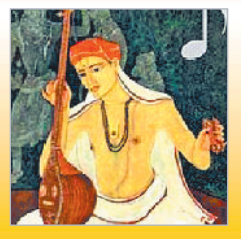

रागों के नाम पर गांव

हरियाणा में राग परंपरा, जिसे लोकगीतों के रूप में भी जाना जाता है, का एक समृद्ध इतिहास है। यहां तक कि कस्बों के नाम भी पारंपरिक रागों से लिए गए हैं। दादरी तहसील में कई बस्तियों के नाम प्रसिद्ध रागों से जुड़े हैं। इनमें नंदयम, सारंगपुर, बिलावाला, बृंदाबाना, टोडी, असावेरी, जयश्री, मलकोष्णा, हिंडोला, भैरवी और गोपी कल्याण आदि शामिल हैं। वहीं, जींद जिले में जय जय वंती, मालवी और अन्य संस्थाएं पाई जा सकती हैं।

प्रेम विवाह से बिखरता सामाजिक और पारिवारिक प्रेम

पुराने समय से ही एक गांव या गोत्र के लोगों को आपस में भाई-बहन माना जाता रहा है ताकि एक ही गोत्र में शादी न हो। आज दुनिया का आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी हमारे पूर्वजों की इस सोच को पूरी तरह सही मानता है।

मंथन

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

भारत की आत्मा इसके गांवों में बसती है। इस सन्दर्भ में बात जब हरियाणा की हो तो हम पाते हैं कि यहां का समाज भाईचारे और सामूहिक सोच की एक बहुत मजबूत डोर है। आज वैश्वीकरण और महानगरों की अंधी दौड़ ने इस पुराने सामाजिक ताने-बाने को भीतर तक हिला दिया है। इसका सबसे बड़ा और विवादित रूप प्रेम विवाह के रूप में सामने आ रहा है। आज की युवा पीढ़ी इसे अपनी आज़ादी और संवैधानिक अधिकार मानती है, जबकि गांव के बुजुर्ग और माता-पिता इस बदलाव से बहुत डरे हुए तथा लाचार प्रतीत होते हैं।

यह सिर्फ दो पीढ़ियों की सोच का अंतर नहीं है, बल्कि पुरानी मर्यादाओं और आधुनिकता के बीच का वह टकराव है, जिसकी वजह से ग्रामीण समाज एक गहरी मानसिक चिंता में है। हमारे समाज में अप्रत्याशित सकारात्मक बदलाव हुए हैं। जो बेटियां कल तक घर के चौके-चूल्हे तक सीमित थीं, वे आज बड़े विश्वविद्यालयों में पढ़ रही हैं। माता-पिता अपनी जिंदगी भर की कमाई और जमीन-जायदाद दांव पर लगाकर बच्चों को इस उम्मीद से बाहर भेजते हैं कि वे समाज में उनका नाम रोशन करेंगे। इसी के साथ उन माता-पिता के दिलों में एक गहरा डर भी बैठ गया है। हर उस पिता की रातें बेचैनी में कटती हैं जिसके बच्चे शहर में पढ़ रहे हैं। उन्हें हर पल यह डर सताता है कि कहीं उनके बच्चे शहर की चकाचौंध में बहकर कोई ऐसा कदम न उठा लें, जिससे सदियों पुराना पारिवारिक सम्मान एक झटके में खत्म हो जाए। जब कोई बच्चा परिवार की मर्जी और सामाजिक मर्यादाओं के खिलाफ जाकर अपनी मर्जी से जीवनसाथी चुनता है तो इसका सबसे बड़ा दुख उन बूढ़े माता-पिता को होता है जिन्होंने उसे उंगली पकड़कर चलना सिखाया था। इस पूरी स्थिति का एक दूसरा पहलू भी है जिसे समझना बहुत जरूरी है। जहां पुराना समाज सामूहिक सोच को सबसे ऊपर रखता है, वहीं आज की आधुनिक शिक्षा प्राप्त युवा पीढ़ी अपनी व्यक्तिगत स्वतंत्रता और अधिकारों को जीवन का आधार मानती है। हमारा संविधान भी सबको अपनी पसंद से जीने और जीवनसाथी चुनने का हक देता है। आज का युवा वर्ग जाति-पाति, भारी दहेज प्रथा और जबरदस्ती थोपे गए बेमेल विवाह जैसी पुरानी कुरीतियों से आज़ाद होना चाहता है। उनके लिए शादी सिर्फ दो परिवारों का समझौता नहीं, बल्कि दो लोगों के विचारों का मिलना है। कई बार जब युवा देखते हैं कि पारंपरिक शादियों में भी महिलाओं को दहेज या घरेलू हिंसा का शिकार होना पड़ता है तो वे अपनी पसंद की शादी की तरफ ज्यादा झुकते हैं। इसलिए उनके इस कदम को सिर्फ मनमानी कहना गलत होगा क्योंकि यह कई बार समाज की रूढ़िवादी सोच के खिलाफ एक शांतिपूर्ण विद्रोह भी होता है। इस आधुनिकता में एक बहुत बड़ा और अजीब विरोधाभास भी है। हरियाणा के गांवों में अपनी सीमा और गोत्र में शादी न करने का नियम केवल कोई अंधविश्वास या रूढ़िवादी परंपरा नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक बहुत ही मजबूत वैज्ञानिक आधार है। पुराने समय से ही एक गांव या एक गोत्र के लोगों को आपस में भाई-बहन माना जाता रहा है ताकि एक ही गोत्र में शादी न हो। आज दुनिया का आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी हमारे पूर्वजों की इस सोच को पूरी तरह सही मानता है।

2013 में नेचर रिव्यूज जेनेटिक्स और 2019 में द लैंसेट जैसी प्रतिष्ठित पत्रिकाओं की रिपोर्टें भी यह पुष्ट करती हैं कि खून के रिश्तों में शादी करने वाले समुदायों में ऑटोसॉमल रिसेसिव विकारों का स्तर बहुत ज्यादा होता है, जो बच्चों में गंभीर शारीरिक और मानसिक विकलांगता का कारण बनता है। इसलिए गोत्र बदलकर शादी करना कोई पिछड़ापन नहीं, बल्कि आनुवंशिक विविधता को बचाकर बच्चों को गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने का एक परखा हुआ वैज्ञानिक तरीका है। जब कोई युवा इस वैज्ञानिक सत्य को दरकिनार कर अपने ही गांव या गोत्र में शादी करता है तो यह केवल एक सामाजिक नियम का टूटना नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ी की सेहत से खिलवाड़ और पूरे गांव के विश्वास की हत्या मानी जाती है। यह परिवार के लिए एक ऐसा मानसिक दुख बन जाता है, जहां वे समाज को यह नहीं समझा पाते कि जिस रिश्ते को कल तक भाई-बहन माना जाता था, वह अचानक पति-पत्नी कैसे बन गया। इस सामाजिक भूचाल के पीछे गहरा आर्थिक कारण भी है।

खेती पर निर्भरता घटने और बड़े शहरों के विकसित होने से युवा काम की तलाश में तेजी से शहरों की तरफ गए हैं। पढ़-लिखकर अपने पैरों पर खड़े होने के बाद वे खुद को पारिवारिक बंधनों से आज़ाद समझने लगते हैं। शहर के अनाम माहौल में, जहां कोई किसी की जाति या गांव नहीं पूछता, युवाओं के लिए गोत्र या गांव के भाईचारे की दीवारें बेमानी हो जाती हैं और उनकी अपनी पसंद ही सबसे बड़ी हो जाती है। इस टकराव के कारण कई बार सम्मान के नाम पर हत्या यानी ऑनर किलिंग जैसी दुखद घटनाएं भी सामने आती हैं। किसी भी मनुष्य की जान लेना पूरी तरह से अनुचित और अमानवीय अपराध है। पुराने समय में खाप पंचायतों ने समाज को जोड़े रखने का काम किया था, लेकिन बदलते समय में उनके कुछ कड़े फैसलों और सामाजिक बहिष्कार जैसे कदमों से उनकी छवि प्रभावित हुई है। हालांकि राहत की बात यह है कि अब कई समझदार खाप पंचायतें भी अपनी सोच में लचीलापन ला रही हैं और गांव या गोत्र की मर्यादा न टूटने की शर्त पर अंतर-जातीय विवाहों को धीरे-धीरे स्वीकार करने लगी हैं। आज स्थिति यह है कि अपनी मर्जी से शादी करने वाले बच्चे अपने ही माता-पिता से जान का खतरा बताकर कोर्ट में सुरक्षा मांगते हैं। वहीं दूसरी तरफ, झूठी प्रतिष्ठा की आड़ में माता-पिता या भाइयों द्वारा अपने ही बच्चों की जान लेने की घटनाएं समाज को शर्मसार कर रही हैं। सरकारें और कानून प्रेम विवाह करने वालों को पुलिस सुरक्षा, आश्रय और आर्थिक मदद दे रहे हैं। कानून की नजर में यह अधिकारों की रक्षा हो सकती है, लेकिन समाज के उन लाचार माता-पिता की स्थिति कोई नहीं देखता, जिनका बच्चा रातों-रात पुलिस के साए में घर छोड़कर चला गया। व्यवस्था को ऑनर किलिंग की चिंता है, लेकिन उस सोशल किलिंग या सामाजिक मृत्यु का क्या, जो हर दिन उन बेबस माता-पिता की होती है? वे समाज के तानों और तिरस्कार के बीच जीते हैं, जो किसी भी शारीरिक मृत्यु से कहीं ज्यादा क्रूर और अंतहीन है।

> भारतीय परिवेश में माता-पिता की सबसे बड़ी पूंजी उनके बच्चों के संस्कार होते हैं। जब संतान उनके जीवन भर के त्याग और ममता को भुलाकर पल भर के आकर्षण को प्यार का नाम देकर विद्रोह कर देती है तो माता-पिता को लगता है कि उनकी पूरी जिंदगी और उनकी परवरिश ही असफल हो गई।

भारतीय परिवेश में माता-पिता की सबसे बड़ी पूंजी उनके बच्चों के संस्कार होते हैं। जब संतान उनके जीवन भर के त्याग और ममता को भुलाकर पल भर के आकर्षण को प्यार का नाम देकर विद्रोह कर देती है तो माता-पिता को लगता है कि उनकी पूरी जिंदगी और उनकी परवरिश ही असफल हो गई। यह शर्मिंदगी सिर्फ झूठे अहंकार की नहीं होती, बल्कि यह एक गहरा अपराध बोध होता है कि वे अपने बच्चे को अच्छे संस्कार देने में नाकाम रहे। यह मानसिक प्रताड़ना किसी भी शारीरिक चोट से ज्यादा जानलेवा होती है।भारतीय संस्कृति कभी प्रेम के खिलाफ नहीं रही है। हमारी परंपरा में राधा-कृष्ण और शिव-पार्वती के अलौकिक प्रेम को पूजा जाता है। हमारे समाज में प्रेम का आधार हमेशा त्याग, संयम, जिम्मेदारी और पूरे परिवार को साथ लेकर चलना रहा है। लेकिन आज आधुनिकता, रील संस्कृति और सोशल मीडिया के प्रभाव में जिसे प्रेम कहा जा रहा है, वह ज्यादातर सिर्फ एक क्षणिक शारीरिक आकर्षण और मानसिक अपरिपक्वता का छलावा है। जब कुछ महीनों या सालों में यह आकर्षण खत्म होता है और जीवन की असली चुनौतियाँ तथा आर्थिक तंगी सामने आती है तो ऐसे विवाह अक्सर घरेलू हिंसा, आपसी नफरत, तलाक और वीभत्स अपराधों में बदल जाते हैं। तब उन युवाओं के पास न तो समाज का सहारा बचता है और न ही वे माता-पिता को मुँह दिखाने लायक रहते हैं।इस सामाजिक जटिलता का हल केवल कानून के डंडे या खाप के कड़े बहिष्कारों से नहीं निकल सकता। इसके लिए सभी पक्षों को मिलकर बीच का रास्ता खोजना होगा। माता-पिता को बच्चों पर अपनी मर्जी थोपने के बजाय उनके साथ मित्रवत संवाद स्थापित करना होगा और मार्गदर्शक बनना होगा। युवाओं को भी यह समझना चाहिए कि स्वतंत्रता का अर्थ उच्छृंखलता नहीं है।

क्षण भर के आकर्षण के लिए अपने जन्म देने वाले माता-पिता को समाज के तानों के बीच घुट-घुट कर मरने के लिए छोड़ देना कहीं से भी न्यायसंगत नहीं है। उन्हें भागने के बजाय धैर्यपूर्वक अपने माता-पिता को विश्वास में लेने का परिपक्व प्रयास करना चाहिए। खाप और चौपालों को भी बदलते समय के साथ युवाओं और माता-पिता के बीच बातचीत का पुल बनना चाहिए। सरकारों को 'सेफ हाउस' बनाने के साथ-साथ व्यापक स्तर पर पारिवारिक और सामाजिक काउंसलिंग पर भी ध्यान देना चाहिए। जब तक हम अपनी जड़ों, अपने भाईचारे और अपने संस्कारों का संरक्षण एक आधुनिक और लचीले दृष्टिकोण के साथ नहीं करेंगे, तब तक यह आधुनिकता खोखली ही रहेगी। हरियाणा ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण भारत की वास्तविक सामाजिक और सांस्कृतिक सुंदरता तभी सुरक्षित रह सकती है जब यहाँ की चौपालों का गौरवशाली भाईचारा, परिवारों की मर्यादाएं और नई पीढ़ी के सपने, सब एक साथ मिलकर सुरक्षित रहेंगी।

ग़ज़ल — सत्यवीर नाहड़िया

साच कहण का टाळा

साच कहण का टाळा होग्या।
लोकलाज का गाळा होग्या।।

काक्का-ताऊ भाई पाच्छै,
सभतै आग्गै साळा होग्या।।

पिछली बरियाँ बाढ़ लूट ग्यी,
इबकै बैरी पाळा होग्या।।

काल्य तलक थी निरमल नदिया,
इब तै गंदा नाळा होग्या।।

सह्या नहीं जा-कह्या नहीं जा,
इसा ज्यान नै फाळा होग्या।।

तेराह ताळी भोत सुणी थी,
पर इब तेराह ताळा होग्या।।

पूत पीटते मात-पिता नै,
कळजुग कितणा काळा होग्या।।

नहीं नज़र म्हैं दया-धरम सै,
इसा आँख्य म्हैं जाळा होग्या।।

बेईमान नहीं वो नेता,
कह 'नाहड़िया' चाळा होग्या।।

कविता — भूपसिंह भारती

करो योग का नेम बावले

निकला जासै टेम बावले।
करो योग का नेम बावले।।

सुबह सबेरै उठ रोजाना,
खेल योग का गेम बावले।

बिना योग हो रोग भतेरे,
फेर करै तू क्लेम बावले।

फाइल फिरैगी दफ्तरां म्ह,
घणा करैगा ब्लेम बावले।

खांसी दमा बिमारी मेंटे,
योग मेट दे म्हेम बावले।

काया दमकै योग करां तै,
रहैगी कुशलछेम बावले।

इब योग दुनिया म्ह छाया,
मिलै योग तै फेम बावले।

कहै 'भारती' योग कराकर,
फेर मिलै हूर सी मेम बावले।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

कर्मभूमि — कुरुक्षेत्र की पावन स्थली पर भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को दिया था श्रीमद्भगवद्गीता का उपदेश

हरियाणा : शौर्य, स्वाभिमान और बलिदान का जीवंत शिलालेख

शौर्य गाथा

अंकुर शर्मा

हरियाणा महज एक राज्य का नाम नहीं है, बल्कि यह शौर्य, स्वाभिमान, त्याग और बलिदान का एक जीवंत शिलालेख है। यह एक कृषि प्रधान प्रदेश होने के साथ-साथ वीरों की जननी और धर्मरक्षकों की कर्मभूमि है। उत्तर-पश्चिम से आने वाले हर विदेशी आक्रांता को दिल्ली पहुंचने से पहले हरियाणा की माटी और यहां के वीरों के फौलादी सीनों से टकराना पड़ा। इस धरती की पहचान उसके खेतों से जितनी है, उतनी ही उसके रणबांकुरों से भी है। यहाँ हल की फाल और तलवार की धार, दोनों को समान आदर के साथ पूजा जाता है। हरियाणा का इतिहास वस्तुतः भारत की रक्षा का इतिहास है और यहां की वीर गाथाएं भारतीय उपमहाद्वीप के स्वाभिमान की धुरी रही हैं।

हरियाणा की शूरवीरता की जड़ें अत्यंत गहरी और पौराणिक हैं, जिसका सूत्रपात महाभारतकालीन कुरुक्षेत्र से होता है। कुरुक्षेत्र का मैदान केवल एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि न्याय, धर्म और कर्म का सबसे बड़ा दार्शनिक केंद्र है। इसी धर्मभूमि पर महाभारत का महासमर लड़ा गया, जहां भीष्म पितामह के व्रत, कर्ण के पराक्रम, अभिमन्यु के अद्वितीय बलिदान तथा अर्जुन के शौर्य ने वीरता की अमिट मिसालें स्थापित कीं। यहीं भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को श्रीमद्भगवद्गीता का उपदेश दिया गया, जो अन्याय के विरुद्ध शस्त्र उठाने और फल की इच्छा से मुक्त होकर कर्तव्य-पथ पर डटे रहने का सबसे बड़ा दार्शनिक उपदेश है। मध्यकाल में विदेशी आक्रमणों के विरुद्ध संघर्ष ने हरियाणा की वीरता को नई पहचान दी। इतिहास गवाह है कि दिल्ली के तख्त के भाग्य का फैसला हमेशा हरियाणा के मैदानों, विशेषकर पानीपत और तराईन में हुआ। तराईन के युद्धों में पृथ्वीराज चौहान के नेतृत्व में यहां के योद्धाओं ने अदम्य साहस का परिचय दिया। रेवाड़ी के वीर सपूत हेमचंद्र विक्रमादित्य (हेमू) इस परंपरा के सबसे तेजस्वी नक्षत्र हैं। एक साधारण परिवार में जन्म लेकर उन्होंने अपने अदम्य साहस से दिल्ली के सिंहासन तक का सफर तय किया और 1556 के द्वितीय पानीपत युद्ध में अंतिम क्षण तक रणभूमि में डटे रहे। इसी तरह हसन ख़ाँ मेवाती जैसे योद्धाओं ने खानवा के युद्ध में राणा साँगा के साथ मिलकर विदेशी सत्ता का सामना किया, जो यह सिद्ध करता है कि यहां की वीरता जाति या संप्रदाय से ऊपर उठकर मातृभूमि को समर्पित रही है। मुगल काल में औरंगजेब की क्रूर नीतियों के खिलाफ तिलपत के गोकुला जाट के नेतृत्व में किसानों का विद्रोह इस बात का प्रमाण है कि यहां का सामान्य कृषक भी समय आने पर अपना हल छोड़कर खड्ग उठाने में संकोच नहीं करता। जब 1857 में भारत ने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ प्रथम स्वाधीनता संग्राम का बिगुल फूंका तो उसकी पहली चिंगारी 10 मई को मेरठ से भी कुछ घंटे पूर्व अम्बाला छावनी में सुलग चुकी थी। इस महासंग्राम में हरियाणा के रजवाड़ों और आम जनता ने मिलकर अभूतपूर्व वीरता का प्रदर्शन किया। अहीरवाल क्षेत्र में राव तुलाराम ने अंग्रेजों की विशाल सेना को नाकों चने चबवा दिए। बल्लभगढ़ के राजा नाहर सिंह, झज्जर के नवाब अब्दुर रहमान खान और फर्रुखनगर के नवाब अहमद अली गुलाम खान जैसे देशभक्तों ने हंसते-हंसते फाँसी के फंदे चूम लिए, परंतु गुलामी स्वीकार नहीं की। हिसार, हांसी और रोहतक के गांवों में साधारण किसानों ने अपने पारंपरिक हथियारों से तोपों का सामना किया। इस दौरान हजारों गांव जला दिए गए, अनगिनत युवाओं को सरेआम पेड़ों से लटका कर फांसी दे दी गई लेकिन हरियाणा का स्वाभिमान नहीं झुका। आधुनिक सैन्य इतिहास में भी हरियाणा का योगदान अतुलनीय है। प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध से लेकर आजादी के बाद के हर संघर्ष में यहां के सैनिकों ने शहादत दी है।

1962 के भारत-चीन युद्ध में रेजांगला की बर्फीली चोटियों पर मेजर शैतान सिंह के नेतृत्व में 13 कुमाऊं रेजिमेंट की अहीर कंपनी के 114 जवानों ने आखिरी गोली और आखिरी सांस तक लड़कर हजारों चीनी सैनिकों को रोके रखा। 1965, 1971 और कारगिल युद्ध में भी इस प्रदेश के सैनिकों ने अद्भुत साहस का परिचय दिया, जिसमें परमवीर चक्र से सम्मानित मेजर होशियार सिंह का शौर्य सैन्य इतिहास का गौरवपूर्ण अध्याय है। यही कारण है कि आज भी भारतीय सशस्त्र बलों में हर दसवां सैनिक इसी माटी का है और सैनिक का सम्मान यहां की सामाजिक परंपरा का अभिन्न हिस्सा है।हरियाणा की वीर गाथाओं को कालजयी बनाने का काम यहाँ की समृद्ध लोक-संस्कृति, साँग परंपरा और हरियाणवी लोकगीतों ने किया है। इन लोकगीतों का दार्शनिक विवेचन स्पष्ट करता है कि इनमें केवल युद्ध का वर्णन नहीं है, बल्कि मातृभूमि के प्रति प्रेम और कर्तव्यनिष्ठा का एक गहरा जीवन-दर्शन छिपा है। इन वीर गाथाओं के साहित्यिक संरक्षण के लिए यह आवश्यक है कि ऐतिहासिक दस्तावेजों और मूल पांडुलिपियों का ही आश्रय लिया जाए। हरियाणा की वीर गाथाएं केवल इतिहास की किताबों में दर्ज अतीत का गौरव नहीं हैं, बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत हैं। वे यहाँ के लोक-जीवन, खेतों, अखाड़ों और रागिनियों में धड़कती हुई जीवंत परंपराएं हैं। कुरुक्षेत्र के धर्मयुद्ध से लेकर हेमू के स्वाभिमान, हसन ख़ाँ मेवाती के बलिदान, राव तुलाराम के संघर्ष और आधुनिक सेना के रणबांकुरों तक वीरता की यह अखंड परंपरा निरंतर प्रवाहित होती रही है। यह आवश्यक है कि इस गौरवशाली इतिहास को केवल स्मारकों तक सीमित न रखकर साहित्य और जनसंचार माध्यमों के द्वारा नई पीढ़ी तक पहुंचाया जाए। जब भी भारत की वीरभूमियों का स्मरण होगा, अपने रक्त से राष्ट्र की सीमाओं को सुरक्षित रखने वाली हरियाणा की इस वीर-प्रसूता भूमि का नाम सदैव अग्रिम पंक्ति में आदर के साथ लिया जाएगा।

> *इतिहास गवाह है कि दिल्ली के तख्त के भाग्य का फैसला हमेशा हरियाणा के मैदानों, विशेषकर पानीपत और तराईन में हुआ। तराईन के युद्ध में पृथ्वीराज चौहान के नेतृत्व में यहां के योद्धाओं ने अदम्य साहस का परिचय दिया।*

सफलता का सबसे बड़ा मंत्र है मेहनत : रमेश मूर्ति

कलाकार

डॉ. तबस्सुम जहां

हरियाणवी रंगमंच और सिनेमा की दुनिया में कुछ ऐसे कलाकार हैं, जिन्होंने अपनी मेहनत, लगन और अभिनय के प्रति समर्पण के बल पर एक अलग पहचान बनाई है। उन्हीं कलाकारों में एक नाम है रमेश मूर्ति का। लगभग 26 वर्षों से रंगमंच और अभिनय के क्षेत्र में सक्रिय रमेश मूर्ति ने अपने सशक्त अभिनय से न केवल मंच पर बल्कि हरियाणवी सिनेमा और ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म पर भी दर्शकों के बीच अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है।

'अखाड़ा', 'सांगी', 'कांड 2010', 'अग्निवीर' और 'लाइसेंस' जैसी फिल्मों व वेबसीरीज में उनके दमदार अभिनय को दर्शकों द्वारा खूब सराहा गया। उन्होंने 'अखाड़ा' (सीरीज), 'बारहवीं वाला प्यार', 'कांड 2010', 'अग्निवीर', 'सांगी', 'पितरोष', 'ढाई दिन' और 'लाइसेंस' में अपनी लाजवाब अदाकारी से हरियाणवी सिनेमा मे अपनी अलग पहचान बनाई है। इसके अलावा, आने वाले प्रोजेक्ट्स में 'मिसिंग' और 'मितवा तोड़-फोड़ कंपनी' शामिल हैं। रमेश मूर्ति को रंगमंच का शौक स्कूल के समय से ही था। स्कूल में एक स्किट में इन्होंने महात्मा गांधी की भूमिका निभाई थी। बचपन में वे स्कूल से छुट्टी करके फ़िल्में और सांग देखने भी जाया करते थे। दसवीं की परीक्षा देने के बाद उन्होंने एक नाटक समूह बनाया और अनेक नाटक किए, जिन्हें परिवार के लोगों ने देखा। कहा जा सकता है कि रमेश मूर्ति की रंगमंच यात्रा उनके लिए अत्यंत प्रेरणादायक और सकारात्मक रही। इस सफ़र ने उन्हें स्वयं को समझने का अवसर दिया और साथ ही दूसरों को भी करीब से जानने का अनुभव मिला। रमेश रंगमंच को ही अपनी दुनिया मानते हैं। वे कहते हैं, 'गांव में सांग देखते समय मेरे मन में हमेशा यह भावना आती थी कि मैं भी एक दिन ऐसा कर सकता हूं।' वहीं से रंगमंच के प्रति उनका लगाव और गहरा होता चला गया। उनके अनुसार, एक कलाकार के लिए रंगमंच ही उसका परिवार और उसकी दुनिया होता है। जब भी हम रंगमंच से जुड़ते हैं, तो हमारे भीतर एक अलग भाव पैदा होता है और दुनिया को देखने का नजरिया बदल जाता है। उन्होंने स्टेज ऐप और सुपवा-दोनों के साथ काम किया है। इस दौरान उन्हें नए-नए लोगों से मिलने और बहुत कुछ नया सीखने का अवसर मिला। हरियाणवी सिनेमा के बारे में उनका मानना है कि वह अभी विकास के शुरुआती दौर में है (कुछ प्रोजेक्ट्स को छोड़कर)। हम जैसे कलाकारों को अभी और अधिक मेहनत करने की जरूरत है, ताकि हरियाणवी सिनेमा विश्व स्तर पर अपनी एक अलग पहचान बना सके। 'कांड 2010', 'सांगी' और 'अग्निवीर' में रमेश की भूमिकाएं बेहद प्रभावशाली रही हैं। अभिनय की दृष्टि से 'सांगी' फ़िल्म में नानू का किरदार और 'अखाड़ा' में वीरभान का किरदार दर्शकों को विशेष रूप से पसंद आया। अभिनय के लिहाज से ये दोनों किरदार रमेश के दिल के बहुत करीब हैं। रमेश मूर्ति ने बताया कि जब भी उन्हें कोई किरदार मिलता है, तो वह सबसे पहले निर्देशक के साथ बैठकर उस किरदार पर विस्तार से चर्चा करते हैं। इसके बाद अपने विवेक से उस पात्र की उम्र, शारीरिक बनावट, उसके परिवेश, उसकी आदतों, उसके समय और उसकी मानसिक स्थिति को समझने की कोशिश करते हैं तभी वह पूरी तैयारी के बाद उस किरदार को पर्दे पर जीवंत रूप दे पाते हैं। रमेश मूर्ति ने रंगमंच और बड़े परदे दोनो जगह काम किया है। रंगमंच और कैमरे के सामने अभिनय करने में वे कई अंतर मानते हैं। उनके अनुसार, एक कलाकार के लिए रंगमंच पर प्रस्तुति देना सबसे अधिक आनंददायक होता है, क्योंकि वहां दर्शक सामने मौजूद होते हैं। कलाकार के हर संवाद और अभिनय पर तुरंत दर्शकों की प्रतिक्रिया मिलती है, जिससे उसका उत्साह और आत्मविश्वास बढ़ता है। वहीं, कैमरे के सामने पूरी जिम्मेदारी कलाकार पर होती है। वहां तत्काल दर्शकों की प्रतिक्रिया नहीं मिलती, इसलिए कलाकार को अपने अभिनय पर पूरा भरोसा रखते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना पड़ता है। एक कलाकार के रूप में संघर्ष के दिनों ने रमेश को बहुत कुछ सिखाया, जिसे वे आज भी अपने साथ लेकर चलते हैं। उनके शब्दों में-'मुझे रंगमंच करते हुए लगभग 26 वर्ष हो चुके हैं। इस दौरान जीवन में कई उतार-चढ़ाव आए, लेकिन मैंने एक ही बात सीखी-मेहनत और लगातार संघर्ष।' वे आगे कहते हैं, 'इस सफ़र में मुझे कई तरह के लोग मिले और जीवन को करीब से समझने का अवसर मिला। रंगमंच ने मुझे सम्मान दिया और लोगों को पहचानने की समझ भी दी।' हरियाणा के रंगमंच और हरियाणवी सिनेमा की वर्तमान स्थिति के बारे में पूछने पर रमेश मूर्ति ने बताया कि हरियाणा में रंगमंच से जुड़े कलाकार बहुत अच्छा और रचनात्मक काम कर रहे हैं। नए-नए प्रयोग किए जा रहे हैं। हरियाणवी रंगमंच और सिनेमा में अपार संभावनाएं हैं और आने वाले समय में यह और अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचेगा। आजकल यथार्थ और सामाजिक मुद्दों पर आधारित फ़िल्में अधिक बन रही हैं। हरियाणवी सिनेमा में लंबे अंतराल के बाद आई 'दादा लखमी' फ़िल्म एक मील का पत्थर साबित हुई। इस फ़िल्म ने हरियाणवी सिनेमा को नई दिशा दी। इससे हरियाणवी फ़िल्मों के प्रति लोगों का नज़रिया बदला और एक सकारात्मक माहौल बना। उनके आने वाले प्रोजेक्ट्स में 'मिसिंग' और 'मितवा तोड़-फोड़ कंपनी' शामिल हैं। उन्हें विश्वास है कि ये दोनों फ़िल्में दर्शकों को पसंद आएंगी और दर्शक उन्हें एक नए अंदाज़ में देखेंगे। आज के युवाओं को रमेश यही सलाह है कि वे अधिक से अधिक साहित्य पढ़ें, कविताएँ पढ़ें, नाटक पढ़ें, अच्छी फ़िल्में देखें और रंगमंच से अवश्य जुड़ें। अभिनय सीखने का सबसे अच्छा माध्यम थिएटर है। इसके साथ ही सफलता का सबसे बड़ा मंत्र है-मेहनत, मेहनत और लगातार मेहनत। इनका मानना है कि हर बच्चे और हर युवा को जीवन में कम-से-कम एक बार रंगमंच से अवश्य जुड़ना चाहिए।

> एक अभिनेता के रूप में रमेश का मानना है कि किसी वास्तविक और समाज से जुड़े किरदार को रंगमंच या सिनेमा के माध्यम से दर्शकों के सामने प्रस्तुत करना एक कलाकार के लिए सबसे सुखद अनुभव होता है। ऐसी फ़िल्में केवल मनोरंजन ही नहीं करतीं, बल्कि समाज को सकारात्मक संदेश भी देती हैं। इसलिए उन्हें इस तरह की फ़िल्मों का हिस्सा बनना हमेशा अच्छा लगता है।

खबर संक्षेप

सट्टा खाइवाली करने वाला गिरफ्तार

हांसी। पुलिस ने सट्टा खाइवाली के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। अपराध अनुसंधान शाखा हांसी की टीम ने सार्वजनिक स्थान पर सट्टा लगवा रहे एक आरोपी को रंगे हाथ काबू किया है। उसके कब्जे से सट्टा पर्ची और 44 हजार 600 की नकदी बरामद हुई है। आरोपी की पहचान मंडी सैनियान निवासी दीपमोहन के रूप में हुई। पुलिस ने उस पर केस दर्ज कर लिया है।

पौधरोपण वर्तमान समय की जरूरतः ललित जैन

सिरसा। आदर्श सोसायटी नजदीक महिला थाना में रविवार को पौधारोपण अभियान का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि श्री जयदेव-सहदेव जैन चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष ललित जैन ने शिरकत की। सोसायटी के अध्यक्ष कंवरभान वर्मा ने कहा कि आदर्श कॉलोनी में आदर्श वाटिका के नाम से छोटा सा पार्क बनाया गया है। सोसायटी पदाधिकारियों ने पौधे लगाकर उसे हरा-भरा बनाया है। पौधों को सुरक्षित रखने के लिए ट्री गार्ड लगाने के साथ इनकी देखभाल करने का भी उपस्थित सदस्यों ने आश्वासन दिया।

सरपंच बोले- नहर बंद होने पर होती है दिक्कत, जेई बोले- अब समस्या नहीं

जलघर पहुंचे परेशान ग्रामीण, पेयजल की नियमित आपूर्ति की उठाई मांग

भविष्य में समस्या होने पर पहले ग्राम पंचायत को अवगत कराने की अपील

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उकलाना

उकलाना। जल घर के पास एकत्रित महिलाएं व अन्य ग्रामीण।

खंड के गांव प्रभुवाला में पेयजल संकट से परेशान ग्रामीणों में रोष देखने को मिला। बड़ी संख्या में ग्रामीण जलघर के पास एकत्रित हुए और जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग से स्वच्छ एवं मीठे पानी की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की। ग्रामीणों का कहना था कि पिछले कुछ समय से नहर में पानी नहीं आने के कारण ट्यूबवेल से पानी की आपूर्ति की जा रही थी, जिसमें एक ट्यूबवेल का पानी खारा होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

ग्रामीणों ने बताया कि सामान्य परिस्थितियों में गांव में पेयजल के लिए नहरी पानी की आपूर्ति होती है। नहर बंद होने की स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्था के तहत ट्यूबवेलों से पानी दिया जाता है, लेकिन एक ट्यूबवेल का पानी खारा होने के कारण लोगों में नाराजगी है। उन्होंने विभाग से मांग की कि गांव में केवल स्वच्छ और मीठे पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

सरपंच ने ग्रामीणों से अपील की कि जिस घर में पानी भर जाए, वह अपनी टोंटी बंद कर दें ताकि अन्य लोगों को भी पर्याप्त पानी मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में यदि ऐसी कोई समस्या उत्पन्न होती है तो पहले ग्राम पंचायत को अवगत कराया जाए, ताकि समय रहते समाधान किया जा सके और अनावश्यक भीड़ एकत्रित होने से बचा जा सके।

वहीं, इस संबंध में जन स्वास्थ्य विभाग के कनिष्ठ अभियंता अनिल धतरवाल ने बताया कि वर्तमान में गांव में पेयजल की कोई समस्या नहीं है। उन्होंने कहा कि यह मामला पिछले महीने का है, जब नहर में तीन-चार दिन ही पानी आया था और मजबूरी में खारे पानी वाले ट्यूबवेल से आपूर्ति करनी पड़ी थी। उन्होंने बताया कि जलघर में ग्रामीणों के एकत्रित होने की सूचना उन्हें नहीं मिली थी। दोपहर करीब 12 बजे वे जलघर पहुंचे और संबंधित लोगों को बातचीत के लिए बुलाया, लेकिन उस समय वहां कोई मौजूद नहीं मिला। उन्होंने कहा कि विभाग गांव में नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयासरत है।

एक ट्यूबवेल का पानी खारा

गांव के सरपंच अनिल कुमार ने बताया कि पिछली बार नहर में मात्र चार दिन ही पानी आया था, जिससे गांव के जलघर के टैंक पूरी तरह नहीं भर पाए। उन्होंने कहा कि टैंक का सारा पानी एक साथ खाली नहीं किया जा सकता, क्योंकि उसमें मौजूद मछलियों के मरने की आशंका रहती है। वर्तमान में गांव में दो ट्यूबवेल मीठे पानी के हैं, जबकि एक ट्यूबवेल का पानी खारा है, जिसके कारण बीच-बीच में समस्या उत्पन्न हो जाती है।

एशियन बॉक्सिंग स्पर्धा में गोल्ड जीतने वाली सोनिया का सम्मान

हिसार। बॉक्सर सोनिया को सम्मानित करते मंत्री रणबीर गंगवा व अन्य।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

■ उज्बेकिस्तान में आयोजित एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में जीता था स्वर्ण पदक

लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने रविवार को आयोजित सम्मान समारोह में शिरकत कर अंतरराष्ट्रीय बॉक्सर सोनिया को उज्बेकिस्तान में आयोजित एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने पर सम्मानित किया। उन्होंने सोनिया को इस शानदार उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। बॉक्सर सोनिया नेशनल में भी दो बार स्वर्ण पदक जीत चुकी है।

इस अवसर पर मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि हरियाणा की धरती ने देश को अनेक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी दिए हैं और प्रदेश की बेटियां आज विश्व स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। उन्होंने कहा कि बॉक्सर सोनिया की उपलब्धि पूरे हरियाणा और देश के लिए गर्व का विषय है। उनकी सफलता से प्रदेश के युवा खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलेगी और वे भी खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित होंगे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में खिलाड़ी, खेल प्रेमी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

भक्तों के दुख हरते हैं भोलेनाथ

आदमपुर। गांव आदमपुर स्थित शिव मंदिर मे भगवान भोलेनाथ के जयघोष, वैदिक मंत्रोच्चार एवं शिव आराधना के साथ कथा का शुभारंभ हुआ। कथाव्यास आचार्य अमृतानंद जी महाराज ने कथा में भगवान शिव के करुणामय स्वरूप, शिवभक्ति के महत्व एवं गुरु-परंपरा की महिमा का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि भगवान शिव केवल देवों के देव ही नहीं, बल्कि अपने भक्तों के दुःख हरने वाले आशुतोष हैं। जो भक्त निष्कपट भाव से भगवान शिव का स्मरण करता है, उसके जीवन की कठिन से कठिन बाधाएँ भी शिव कृपा से दूर हो जाती हैं। आचार्य श्री ने कहा कि आज के युग में मनुष्य बाहरी सुख-सुविधाओं की तलाश में भटक रहा है, जबकि वास्तविक सुख ईश्वर की भक्ति, गुरु के आशीर्वाद और सदाचारपूर्ण जीवन में निहित है। उन्होंने कहा कि शिव महापुराण हमें केवल पूजा-पाठ नहीं सिखाता, बल्कि जीवन में विनम्रता, सेवा, संयम, करुणा और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे अपने परिवार में धार्मिक संस्कारों को जीवित रखें, बच्चों को भारतीय संस्कृति से जोड़ें तथा समाज में प्रेम और सद्भाव का संदेश फैलाएं। आचार्य अमृतानंद जी महाराज ने अपने पूज्य गुरुदेव ब्रह्मलीन परम पूज्य गौऋषि स्वामी श्री राजेंद्रानंद जी महाराज तथा परम पूज्य मुनि गिरि जी महाराज का भावपूर्ण स्मरण करते हुए कहा कि गुरु की कृपा से ही शिष्य का जीवन सफल होता है।

गांव की हर लड़ाई में साथ खड़ा रहेगा इनेलो : अभय चौटाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

हांसी। धरने को संबोधित करते इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय चौटाला। **फोटो : हरिभूमि**

बरवाला रोड स्थित चानौत गांव में पेयजल की मांग पर जारी आंदोलन व धरने के 51वें दिन रविवार को इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला इनेलो की समस्त कार्यकारिणी के सदस्यों के साथ दोबारा धरना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने धरना समिति, ग्रामीणों और विभिन्न सामाजिक संगठनों को अपना समर्थन देते हुए कहा कि यह आंदोलन पूरी तरह गांव का है और इनेलो ग्रामीणों के हर फैसले के साथ मजबूती से खड़ी रहेगी।

अभय सिंह चौटाला ने अपने संबोधन में कहा कि वह आंदोलन के शुरुआती दिनों में भी धरना स्थल पर आए थे, जब धरने को करीब 10 दिन हुए थे। उन्होंने कहा कि 51 दिनों तक शांतिपूर्ण, अनुशासित और एकजुट होकर आंदोलन चलाना ग्रामीणों के मजबूत भाईचारे का परिचायक है। किसी भी जन आंदोलन की सबसे बड़ी ताकत उसकी एकता होती है और चानौत के लोगों ने इसका उदाहरण पेश किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें बीच में आशंका थी कि आंदोलन कहीं राजनीतिक रंग न ले ले। इसी कारण उन्होंने पार्टी नेताओं को धरना समिति से बातचीत के लिए भेजा और आग्रह किया कि सभी राजनीतिक दल केवल समर्थन दें, लेकिन किसी भी दल या व्यक्ति के खिलाफ मंच का इस्तेमाल न किया जाए। उन्होंने कहा कि धरना समिति ने इस सिद्धांत का पालन किया, जिससे आंदोलन की गरिमा और मजबूती बनी रही। अभय चौटाला ने आरोप लगाया कि गांव के लिए लगाया गया पेयजल टी-कनेक्शन राजनीतिक दबाव में हटवा दिया गया। इसके बाद ग्रामीणों पर मुकदमे दर्ज किए गए, लाठीचार्ज हुआ और आंसू गैस के गोले छोड़े गए, लेकिन इसके बावजूद ग्रामीणों ने शांतिपूर्ण तरीके से अपना संघर्ष जारी रखा।

ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाकर करें वातावरण को स्वच्छ

नारनौंद। गांव माढ़ा पैक्स में पौधारोपण करते हुए पैक्स अध्यक्ष अमरीक सिंह पाली व अन्य। *फोटो हरिभूमि*

नारनौंद। धरती पर हमें ज्यादा से ज्यादा पेड़ पौधे लगाकर धारा का श्रृंगार करना चाहिए। यह बात माढ़ा पैक्स के प्रधान अमरीक सिंह पाली ने सहकारिता दिवस के उपलक्ष में पैक्स में पौधारोपण अभियान के तहत लोगों को जागरुक करते हुए कही। उन्होंने पौधारोपण करके संकल्प लिया कि वह इन पेड़ पौधों की खुद ही देखभाल करेंगे। उन्होंने बताया कि सहकारिता सप्ताह अभियान के तहत लगातार पैक्स द्वारा अनेक सामाजिक कार्य किया जा रहे हैं इसी कड़ी में रविवार को गांव माढ़ा की पैक्स की ओर से पौधा रोपण अभियान चलाया गया। सभी सदस्यों ने अलग अलग जगहों पर पेड़ लगाकर अन्य लोगों को भी पेड़ लगाने के लिए जागरूक किया। क्योंकि आज धरती पर लगातार पड़ों की कटाई हो रही हैं। जिसके कारण वातावरण दूषित हो रहा हैं। जिसके कारण अनेक बीमारियां फैल रही हैं। वातावरण को स्वच्छ बनाने के लिए हमे धरती पर ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने होंगे।

राकेश गर्ग बबलू बने श्री बालाजी धाम सुरेवाला के निर्विरोध प्रधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उकलाना

उकलाना। प्रधान चुने गए राकेश गर्ग।

■ हर पूर्णिमा पर शाम 6 से 9 बजे तक होगा तीन घंटे का भव्य संकीर्तन

श्री बालाजी प्राचीन धाम, सुरेवाला की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। सर्वसम्मति से जय श्री बालाजी मित्र मंडल के प्रधान राकेश गर्ग (बबलू) को श्री बालाजी धाम, सुरेवाला का निर्विरोध प्रधान चुना गया। नवगठित कार्यकारिणी ने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में मंदिर के विकास एवं धार्मिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

श्री बालाजी धाम सुरेवाला क्षेत्र के प्रमुख आस्था केंद्रों में से एक है। श्रद्धालुओं का मानना है कि यहां सच्चे मन से पूजा-अर्चना करने पर भगवान बालाजी भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। इसी आस्था के चलते आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन एवं पूजा के लिए पहुंचते हैं।

नई कार्यकारिणी में बलबीर सिंह को उपप्रधान, रमेश नैन को सचिव, अंकुर गुप्ता को सहसचिव, सत्यवान फौजी व दलवीर सिंह को कोषाध्यक्ष, अशोक गोयल को सह कोषाध्यक्ष बनाया गया। सलाहकार मंडल में अशोक गोयल, सनी, धर्मपाल, सतीश, नफे सिंह फौजी, सुखबीर, लकी गर्ग, महेंद्र लोहिया और राजू जांगड़ा शामिल किए गए। कार्यकारिणी के सदस्यों में डॉ. बलवंत, मनोज कुमार, डिंपल, अतुल मित्तल, अजीत सिंह, दारा सिंह, कृष्ण कुमार, चंदन जैन, करण हांडा, प्रवीण मास्टर, सुनील गोयल, शीलू, सौरभ गोयल, नसीब पातड, राजवीर पातड और महेंद्र बल्हारा सहित अन्य को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि प्रत्येक पूर्णिमा पर श्री बालाजी धाम, सुरेवाला में शाम 6 बजे से 9 बजे तक तीन घंटे का भव्य संकीर्तन आयोजित किया जाएगा, जिसमें क्षेत्र के श्रद्धालु बड़ी संख्या में भाग लेकर भजन-कीर्तन का आनंद उठा सकेंगे।

सिविल सर्विसेज में चयनित कनिका सम्मानित

मिडटाउन ग्रैंड में भजन संध्या में वृंदावन के भजन गायकों ने बांधा समा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

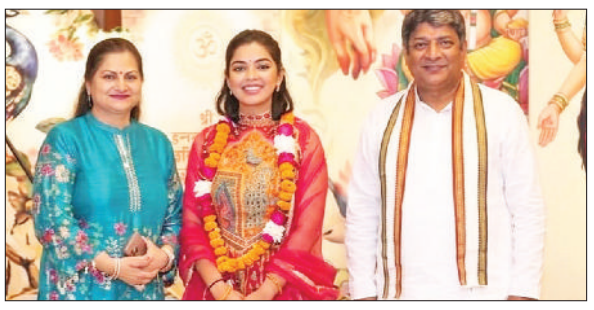

हिसार। कनिका धमीजा मेयर प्रवीण पोपली के साथ। *फोटो हरिभूमि*

संत नगर निवासी विजय धमीजा की पुत्री कुमारी कनिका धमीजा के सिविल सर्विसेज के माध्यम से भारतीय रेवेन्यू सर्विसेज में चयन होने की खुशी में मिडटाउन ग्रैंड में भजन संध्या एवं प्रीतिभोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मेयर प्रवीण पोपली रहे। मेयर ने कुमारी कनिका धमीजा को सम्मानित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद दिया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आज महिलाएं प्रत्येक क्षेत्र एवं विभाग में उत्कृष्ट कार्य कर प्रदेश और देश का नाम रोशन कर रही हैं।

इस अवसर पर वर्थपरपज फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने मेयर प्रवीण पोपली को उनकी निस्वार्थ सामाजिक सेवाओं एवं प्रेरणादायी नेतृत्व के लिए स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। नई अनाज मंडी के अध्यक्ष मांगेराम रावलवासिया को व्यापारिक समुदाय एवं सामाजिक क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। समारोह में कुमारी कनिका धमीजा को रेवेन्यू सर्विसेज में चयनित होकर हिसार एवं प्रदेश का गौरव बढ़ाने के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। भजन संध्या में विशेष आकर्षण वृंदावन से पधारे सुप्रसिद्ध भजन गायक रहे, जिनकी मधुर एवं भक्तिमय प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक रस से सराबोर कर दिया और कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए।

ध्यान से मन को मिलती है शांति

हिसार। ध्यान केंद्र में साधना करने पहुंचे साधक। *फोटो हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

समर्थगुरु धारा संघ के तत्वावधान में एमजी क्लब, मिर्ज़ापुर चौक स्थित ध्यान साधना केंद्र में संघ के राष्ट्रीय संयोजक आचार्य सुभाष ने सुप्रभात ध्यान करवाया। आचार्य ने बताया कि सुप्रभात ध्यान मन, शरीर और आत्मा को स्थिरता और शांति की दिशा में ले जाने वाली एक सशक्त साधना है, जो स्वस्थ और संतुलित जीवन के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। 'सुप्रभात ध्यान' का अर्थ है सुबह के शांत क्षणों में मन को केंद्रित कर ध्यान लगाना। यह प्रक्रिया शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक तत्वों को समाहित करते हुए व्यक्ति को अधिकतम स्थिरता और आत्मविकास की ओर अग्रसर करती है। सुप्रभात ध्यान के लिए साधक शांत और शुद्ध वातावरण में सुखासन, पद्मासन या वज्रासन में बैठकर अपनी श्वास पर ध्यान केंद्रित करते हैं। इससे विचार शांत होते हैं और व्यक्ति आत्म-साक्षात्कार की ओर बढ़ता है।

इन-हाउस प्रशिक्षण कार्यक्रम में टीचरों को दी नई शिक्षण पद्धतियों की जानकारी

■ एसडी मॉडर्न पब्लिक स्कूल में 70 शिक्षकों ने कार्यक्रम में की शिरकत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

हांसी। प्रशिक्षण शिविर में भाग लेते एसडी मॉडर्न पब्लिक स्कूल के अध्यापक।

एसडी मॉडर्न पब्लिक स्कूल में रविवार को शिक्षकों के व्यावसायिक विकास और नवीन शिक्षण पद्धतियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से असेसमेंट एंड पेडोगोजी इन कंप्यूटेशनल थिंकिंग एंड आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (डोमेन-2) विषय पर एक दिवसीय इन-हाउस शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित करके किया गया। प्रशिक्षण में विषय विशेषज्ञ एवं रिसोर्स पर्सन डॉ. सुनील वर्मा ने विभिन्न गतिविधियों, समूह चर्चाओं और व्यवहारिक उदाहरणों के माध्यम से शिक्षकों का मार्गदर्शन किया। इस प्रशिक्षण में विद्यालय के करीब 70 शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन कंप्यूटर विभाग की अध्यक्षा डॉ. रश्मि जैन की देखरेख में किया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और कम्प्यूटेशनल थिंकिंग से संबंधित आधुनिक शिक्षण तकनीकों एवं उनके प्रभावी उपयोग से अवगत कराना था।

प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को एआई और सीटी आधारित शिक्षण, प्रभावी मूल्यांकन तकनीकों, दक्षता-आधारित शिक्षा, गतिविधि-आधारित शिक्षण, परियोजना-आधारित अधिगम तथा विद्यार्थियों में तार्किक और रचनात्मक सोच विकसित करने की आधुनिक विधियों की जानकारी दी गई।

नारनौंद में हुआ भीम आर्मी का भाईचारा बनाओ सम्मेलन

युवाओं को गुणवत्तापूर्ण तकनीकी एवं कौशल आधारित शिक्षा देने का कार्य कर रही सरकार : रणबीर गंगवा

हरिभूमि न्यूज ▶▶|हिसार

हिसार। कार्यक्रम को संबोधित करते वक्ता। *फोटो हरिभूमि*

भीम आर्मी जिला हांसी की ओर से रविवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर भवन एवं लाइब्रेरी, नारनौंद में भाईचारा बनाओ सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ताओं, युवाओं एवं स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में भीम आर्मी हरियाणा के प्रदेश महासचिव एडवोकेट संतलाल अंबेडकर मुख्य अतिथि व प्रदेश सचिव जुगनू मेहरा विशिष्ट अतिथि रहे। अपने संबोधन में एडवोकेट संतलाल अंबेडकर ने कहा कि वर्तमान समय में सामाजिक सौहार्द और आपसी भाईचारे को मजबूत करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई, पेपर लीक जैसी घटनाओं तथा विभिन्न सामाजिक चुनौतियों के बीच समाज में शांति और एकता बनाए रखना सभी की साझा जिम्मेदारी है।

प्रदेश सचिव जुगनू मेहरा एवं जिला अध्यक्ष संजय मीणा ने उपस्थित लोगों से 7 जुलाई को जींद जिला लघु सचिवालय के बाहर अनुसूचित समुदाय के पीड़ित छात्र को न्याय दिलाने की मांग पर आयोजित आंदोलन में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने गुरु रविदास मंदिर में मत्था टेककर समाज में शांति, समरसता और भाईचारे की कामना की। साथ ही संगठन का विस्तार करते हुए महेंद्र शाक्या को हलका नारनौंद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर प्रदेश महासचिव एडवोकेट संतलाल अंबेडकर, प्रदेश सचिव जुगनू मेहरा, जिला अध्यक्ष संजय मीणा, जिला प्रभारी धर्मवीर कुलाना, जिला उपाध्यक्ष अमित आल्यान, जिला उपाध्यक्ष कृष्ण हाजमपुर, जिला उपाध्यक्ष सोनू कमांडो, कृष्ण माजरा, जिला महासचिव पवनदीप खुंडिया, जिला सचिव सुभाष हाजमपुर, जिला सलाहकार सतीश, जिला कोषाध्यक्ष गोपाल मोठ, हलका प्रभारी सुरेश बामणिया, हलका अध्यक्ष ठेकेदार राममगत, सोनी पहलवान, प्रधान सीताराम भारतीय, प्रधान प्रदीप सिसाये, जतिन, सागर, मोनू, विक्रम राकी व अन्य उपस्थित रहे।

मदद जवान किसान गोसेवा समिति की हुई संगठनात्मक बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶|हिसार

सामाजिक सरोकारों के प्रति समर्पित मदद जवान किसान गौसेवा समिति की संगठनात्मक बैठक आर्यनगर में हुई। बैठक में संगठन के विस्तार, जनसेवा गतिविधियों को गति देने तथा विभिन्न विंगों के गठन एवं पदाधिकारियों की नियुक्ति को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय सर्वसम्मति से लिए गए।

बैठक में संगठन के संरक्षक, किसान विंग, मेडिकल विंग तथा महिला विंग के पदाधिकारियों की नियुक्ति की घोषणा की गई। सर्वसम्मति से सूबेदार मेजर त्रिलोक चंद्र शर्मा को संगठन का संरक्षक नियुक्त किया गया। वहीं चरण सिंह बूरा को किसान विंग का चेयरमैन, डॉ. वेदपाल सोनी को मेडिकल विंग का चेयरमैन तथा श्रीमती संतोष जून को महिला विंग का चेयरमैन मनोनीत किया गया।

सूबेदार मेजर त्रिलोक चंद्र शर्मा सर्वसम्मति से संगठन के संरक्षक किए गए नियुक्त

हिसार। बैठक में उपस्थित समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य। *फोटो हरिभूमि*

बैठक के दौरान संगठन के विस्तार, ग्रामीण क्षेत्रों में जनसेवा कार्यों को अधिक प्रभावी बनाने, किसानों के हितों से जुड़े मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाने, स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाने तथा महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने जैसे विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। समिति के अध्यक्ष शंकर धीवां ने कहा कि संगठन की विभिन्न विंगें समाज के अलग-अलग क्षेत्रों में प्रभावी ढंग से कार्य करेंगी, जिससे सेवा गतिविधियों को नई गति मिलेगी। बैठक में प्रमुख रूप से अनिल शर्मा, रवींद्रजीत डांगी, कोच अशोक कुमार, अनिल कुमार, अनिता धीवां, डॉ. बबली चाहर, पूनम ढिल्लों, प्रतिमा बामल, नीतू, कविता, मोनिका पिलानिया, प्रमिला सिहाग, एसडीओ प्रताप सिंह यादव, विकास यादव, राजपाल काजला, प्रदीप गुर्जर, सुशील लाडवी, राजेंद्र खीचड़, सुमित शर्मा, राजेंद्र पूनिया, बीर सिंह लांबा एवं सुरेंद्र पंगाल सहित बड़ी संख्या में समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

अवैध शराब बेचने वाला काबू, 24 बोतल बरामद

हिसार। एचटीएम पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 24 बोतल देसी शराब बरामद की है। पीएसआई जनक कुमार सरवटा ने बताया कि उन्होंने अपनी टीम के साथ गश्त के दौरान एक युवक को प्लास्टिक के कट्टे के साथ संदिग्ध अवस्था में पकड़ा। कट्टे की तलाशी ली तो उसमें 24 बोतल देसी शराब बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी की पहचान महाबीर कॉलोनी स्थित रामलीला चौक निवासी आकाश के रूप में हुई।

जेल से प्रोडक्शन वारंट पर लाया गया दिवान सिंह

हांसी। नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान अपराध अनुसंधान शाखा-1 हांसी ने एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में नशा सप्लाई चेन से जुड़े मुख्य आरोपी को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है। जांच अधिकारी एएसआई राकेश कुमार ने बताया कि थाना सदर हांसी में दर्ज एनडीपीएस एक्ट के मुकदमे में पहले गिरफ्तार आरोपी अशोक उर्फ होका से करीब 10 किलो 44 ग्राम गांजा बरामद किया गया था।

गायक महेश इन्द्र सिंह की रफी नाइट आज हांसी में

हांसी। महेश इन्द्र सिंह इंटरटेनमेंट के तत्वावधान में 6 जुलाई को केओसी होटल में 90वीं रफी नाइट का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ रात 8 बजे होगा। आयोजकों के अनुसार, इस संगीतमय संध्या में हिसार की वानप्रस्थ संस्था के कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। वहीं, साहिल रेवड़ी डांस स्टूडियो के कलाकार विशेष नृत्य प्रस्तुति देकर कार्यक्रम को आकर्षक बनाएंगे।

मतदाताओं ने दस्तावेजों संग कराया सत्यापन

हिसार। शहर में मतदाताओं के मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य के लिए रविवार को मतदान बूथों पर कैंप लगाए गए। इसी कड़ी में बड़वाली ढाणी स्थित शिवालिक स्कूल में भी मतदाता बूथ पर कैंप लगाया। कैंप में मतदाता एसआईआर का कार्य करवाने के लिए अपने डॉक्यूमेंटस व फोटो के साथ पहुंचे। इस दौरान मतदाताओं से संबंधित बूथ लेवल आफिसर (बीएलओ) ने एसआईआर का कार्य किया।

कल उपायुक्त को सौंपेंगे ज्ञापन, करेंगे संघर्ष की शुरुआत

भाखड़ा के पानी में कटौती पर किसानों का विरोध, हक के लिए आंदोलन का ऐलान

टेलों पर पूरा पानी नहीं मिलने से किसानों ने बैठक कर बनाई रणनीति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। बैठक में शामिल किसान नेता व अन्य।

संयुक्त किसान संघर्ष समिति बालसमंद तहसील व संयुक्त जल संघर्ष समिति की बैठक गांव बालसमंद में हुई। बैठक का मुख्य मुद्दा भाखड़ा नहर के पानी को राज्य सरकार द्वारा अवैध तरीके से चोरी करके यमुना के कमांड एरिया में पानी देने को लेकर था। इस दौरान कहा गया कि चानौत को पानी से इनकार नहीं, लेकिन भाखड़ा के लाखों किसानों के हकों पर डाका डालकर हांसी-जींद को पानी देना स्वीकार नहीं। पूर्व सरपंच जगदीश लौरा ने कहा कि भाखड़ा के टेल फिर वह चाहे चौधरी माइनर की हो, सरसाना माइनर, राणा माइनर की हो या जिले की भाखड़ा की कोई भी टेल हो, हर टेल के पहले ही हालात खराब हैं। ऊपर से सरकार और पानी रोजाना काट रही है। किसान संघर्ष समिति के महासचिव वीरेन्द्र पूनिया ने कहा कि हमारे खेत और गांव पहले ही प्यासे मर रहे थे। इस पानी को बचाने के लिए वर्ष 2014 में लड़ाई शुरू की। मौजूदा सरकार हमारे टेलों पर पूरा पानी देने की बड़ी बातें करती रही लेकिन आज भी हालात वही के वहीं हैं। संयुक्त जल संघर्ष समिति के प्रधान विजेन्द्र बैनीवाल ने कहा कि अगर हमारा पानी यूं ही कटता रहा तो टेल के 50 गांव सूखे के हालात में पहुंच जाएंगे, इसलिए एकजुट होना होगा। समिति महासचिव सतबीर पूनिया ने कहा कि खनौरी हेड से पहले भी 1500 क्यूसिक पानी मिलता था और आज भी वही मिलता है। इसके विपरीत जगह जगह पंचर करके पानी को दूसरी जगह भी डायवर्ट किया जाता है। समिति सलाहकार दिलबाग हुड्डा ने कहा कि खनौरी से 1500 के बजाय पानी की अलाटमेंट 1725 क्यूसिक है बाकी 225 क्यूसिक पानी टेल एरिया में लाने के लिए राज्य सरकार 2015 में चार करोड़ दस लाख की राशि पंजाब को दे चुकी है, लेकिन वह 225 क्यूसिक पानी आज तक बरवाला ब्रांच में नहीं लाया जा सका। समिति उपप्रधान विजय भांभू ने कहा कि हमारे हकों का पानी चोरी करने के लिए सरकार को मुंहतोड़ जवाब देना होगा। कोषाध्यक्ष सत्यबीर गढ़वाल ने कहा कि इसके लिए संघर्ष जारी रहेगा। सुरेन्द्र आर्य ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि सरकार के खिलाफ सड़क पर उतरेंगे और हाईकोर्ट में अपनी जल्दी ही रिट दाखिल करेंगे।

पानी विवाद पर किसानों का अल्टीमेटम

जनप्रतिनिधियों, सांसदों व विधायकों को चेताया कि जो भी हमारा पानी काटकर हांसी और जींद को पानी देने का समर्थन करेगा और हमारे साथ नहीं खड़ा होगा, भविष्य में ऐसे लोगों का खुलकर विरोध किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 7 जुलाई को दोनों समितियां उपायुक्त को ज्ञापन देंगी और एरिया के पानी की कटौती के खिलाफ संघर्ष की शुरूआत होगी। इस अवसर पर सचिव अनिल भादू ने भी संबोधित किया। बैठक में मोहन मिठारवाल, अमरचंद भाकर, ओमप्रकाश, पवन लौरा, राजकुमार लौरा, अनिल लौरा, रणसिंह पूनिया, बलजीत कस्वां, ईश्वर सुंडावास, राजेश कड़वासरा, प्रहलाद शशमा, रामचन्द्र कालीरामण, सोनू भाकर, प्रेम चौधरीवाली, बलबीर हुडडा, कपूर सिंह आर्य, रामभगन श्योराण, तारीफ सेवदा, चतर सिंह, पृथ्वी बेनीवाल, बलराज पनिहार, कृष्ण गोदारा, सोमबीर बैनीवाल, महाबीर कड़वासरा, दलबीर बैनीवाल, दिलबाग कस्वां, नरेश नंबरदार, भूप सिंह कादियान, बब्बर नंबरदार, समिति उपप्रधान सतबीर झाझड़िया, प्रदीप ढाका, कर्ण सिंह महला, रामबीर ढांडा, टेकचंद बागड़ी, छेलूराम नंबरदार, कुलदीप लौरा, सूरजमल भैरवां, शमशेर कुंडू, रविन्द्र ढहिया व राजपाल गढ़वाल आदि मौजूद थे।

हिसार। अभियान के दौरान उपस्थित पदाधिकारी व सदस्य।

वर्ली आर्ट से दिया जल संरक्षण का प्रेरक संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं आकर्षक बनाने के अपने सतत अभियान के तहत सामाजिक संस्था 'हमारा प्यार हिसार' की टीम ने रविवार को कैमरी रोड स्थित जल घर की दीवार पर जल संरक्षण विषयक आकर्षक वर्ली आर्ट तैयार कर नागरिकों को जल बचाने का संदेश दिया। उल्लेखनीय है कि इसी दीवार को गत सप्ताह संस्था द्वारा टेराकोटा पेंट से नया एवं आकर्षक स्वरूप प्रदान किया गया था, जिसे अब पारंपरिक वर्ली कला के माध्यम से जनजागरूकता का प्रभावी माध्यम बनाया गया है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को जल संरक्षण, स्वच्छता तथा सामाजिक सहभागिता के प्रति प्रेरित करना था। अभियान के दौरान टीम के सदस्यों ने श्रमदान करते हुए दीवार की साफ-सफाई, रंग-रोगन तथा आसपास के क्षेत्र की स्वच्छता सुनिश्चित की। संस्था के पेंटर श्री हरीश ने प्रातःकाल निर्धारित समय से पहले पहुंचकर दीवार पर जल संरक्षण पर आधारित सुंदर वर्ली आर्ट तैयार की। इसके बाद सभी सदस्यों ने मिलकर दीवार को अंतिम रूप देते हुए पूरे क्षेत्र को अधिक स्वच्छ, सुंदर एवं आकर्षक बनाया। संस्था के सदस्यों ने बताया कि 'हमारा प्यार हिसार' का उद्देश्य शहर के सार्वजनिक स्थलों का सौंदर्यीकरण करते हुए नागरिकों में अपने शहर के प्रति अपनत्व, जिम्मेदारी और पर्यावरण संरक्षण की भावना विकसित करना है। उनका कहना था कि यदि प्रत्येक नागरिक अपने आसपास के सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता और सुंदरता के प्रति संवेदनशील बने, तो हिसार को एक आदर्श एवं प्रेरणादायी शहर बनाया जा सकता है।

ये रहे मौजूद

अभियान में प्रो. हरीश भाटिया, डॉ. राज वर्मा, डॉ. बीबी बांगा, हरीशचन्द्र, मनीष गोयल, राजन वर्मा, सत्येंद्र यादव, कमल भाटिया, ममता छाबड़ा, अनिता शर्मा, संजय मारवाड़ी, जितेंद्र बंसल, दिनेश बंसल, डॉ. विजय कादियान, डॉ. नीलेश सिंधु, युद्धवीर पान्नू, अनिल कुमार, प्रवीण मित्तल, मेघा, रिया, भाविका, युगम, शुभम, आहना, तन्वी, भव्या तथा कैफ़ी ने सक्रिय रूप से भाग लेकर अभियान को सफल बनाया।

पुलिस ने विद्यार्थियों, ग्रामीणों और नशा पीड़ितों को किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। जागरूक करते नशा मुक्ति टीम।

जिलेभर में चलाए जा रहे नशा मुक्त भारत अभियान के तहत पुलिस की नशा मुक्ति टीम द्वारा लगातार जनजागरूकता एवं पुनर्वास संबंधी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी कड़ी में नशा मुक्ति टीम द्वारा विभिन्न स्थानों पर विद्यार्थियों, ग्रामीणों एवं नशा पीड़ितों के बीच जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। महिला थाना में गांव लुदास के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय से भ्रमण पर आए छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए नशा न करने की शपथ दिलाई गई। इस दौरान विद्यार्थियों को शिक्षा एवं खेलों में रुचि बढ़ाने, यातायात नियमों का पालन करने तथा साइबर अपराधों से बचाव के प्रभावी उपायों की भी जानकारी दी गई। इसके बाद आजाद नगर क्षेत्र के गांव कैमरी में सरपंच द्वारा आयोजित नशा मुक्त भारत अभियान कार्यक्रम के दौरान राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में छात्र-छात्राओं, खिलाड़ियों, महिलाओं, पुरुषों, युवाओं एवं ग्रामवासियों को संबोधित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को स्वयं तथा अपने परिवार को नशे से दूर रखने, शिक्षा एवं खेलों को जीवन का आधार बनाने, यातायात नियमों का पालन करने तथा साइबर अपराधों से सतर्क रहने के लिए प्रेरित किया गया।

सड़क निर्माण से लोगों का आवागमन होगा आसान

हिसार। बरवाला क्षेत्र के लोगों को बेहतर सड़क सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड ने मोती लुहार स्ट्रीट से कॉलेज रोड तथा ओल्ड ग्रेन मार्केट (आईडी-12612) तक सड़क निर्माण के एक हिस्से के कार्य के लिए 77.82 लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है। इसका एक हिस्सा नगर परिषद द्वारा बनाया जाएगा। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने बताया कि इस सड़क का निर्माण होने से बरवाला नगरवासियों को कॉलेज, तहसील व अन्य संस्थानों में जाने के लिए सीधा मार्ग मिला है। इसके निर्माण से स्थानीय नागरिकों, विद्यार्थियों तथा क्षेत्र से गुजरने वाले वाहन चालकों को बेहतर एवं सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी और उन्हें लंबा चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा।

ओशो ध्यान उपवन में साधकों ने सीखी खुशहाल जीवन की कला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। ओशो ध्यान उपवन में आयोजित मेडिटेशन में हिस्सा लेते साधक।

साधकों को खुशहाल व आनंदित जीवन जीने के उपाय समझाते हुए ओशो ध्यान उपवन में मेडिटेशन करवाया गया। ध्यान सत्र आयोजित करके साधकों को ध्यान विधियां सिखाई गई और उनका अभ्यास भी करवाया गया। स्वामी संजय व मां सांची ने साधकों को ध्यान का महत्व भी समझाया। स्वामी संजय ने कहा कि ध्यान के नियमित अभ्यास से जीवन में गहराई, शांति और आनंद का अनुभव होता है। उन्होंने समझाया कि ध्यान करने से मन की शांति और स्थिरता आती है एवं तनाव, चिंता व क्रोध में कमी होती है। इसके साथ ही एकाग्रता व स्मरण शक्ति बढ़ती है। इतना ही नहीं आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच विकसित होते हैं। सिरसा रोड स्थित ओशो ध्यान उपवन में आयोजित मेडिटेशन में विभिन्न क्षेत्रों से साधकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। साधकों ने ध्यान साधना के उपरांत वृत्ताकार चक्र बनाकर उत्साहपूर्वक झूमते हुए आनंद की अनुभूति की। स्वामी संजय ने बताया कि साधक नाचते व गाते हुए हल्का महसूस करते हैं उनमें नई ऊर्जा का संचार हो जाता है।

शिव कॉलोनी में हुई दौड़ प्रतियोगिता के साथ सिखाए आत्मरक्षा के गुण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बच्चे।

हर सप्ताह शहर के कई स्कूलों में होने वाली भागता भारत एनजीओ की तरफ से दौड़ अबकी बार शिव कॉलोनी में हुई। इसमें बच्चों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। अलग ऐज कैटेगरी में बच्चों ने कई मैडल जीतने के साथ सेल्फ डिफेंस स्पोर्ट्स एकेडमी के रोहताश से आत्मरक्षा की ट्रेनिंग भी ली जिसमें उन्होंने बच्चों को किसी भी परिस्थिति में हर न मानने के बारे में बताया। प्रतियोगिता की आयोजक नीलम सैनी ने बताया कि आज के समय में खेल ओर आत्मरक्षा बहुत ही जरूरी है। आने वाली पीढ़ी को बुराइयों से बचाने के लिए आयोजित इस कार्यक्रम की सबसे अच्छी बात यह थी कि इसमें प्रतियोगिता करवाने वाले बच्चे थे जिनमें, खुशी, योगेश, अंकुश, नंदनी, अंजली व ज्योति शामिल रही। नीलम सैनी की अध्यक्षता में यह प्रतियोगिता शिव कॉलोनी स्थित लार्ड वीके स्कूल शिव कॉलोनी में हुई। इन बच्चों की भागता भारत एनजीओ के साथ सहभागिता अपने आपमें मिसाल है कि बच्चे अपने आसपास किसी तरह का भी नशा या शोषण बर्दाश्त नहीं करेंगे।

सरकार के शिक्षा सुधार के दावे खोखले

हिसार। नलवा विधानसभा से पूर्व प्रत्याशी एवं हरियाणा प्रदेश कांग्रेस लीगल डिपार्टमेंट के स्टेट मीडिया कॉर्डिनेटर एडवोकेट बजरंग इंदल और सामाजिक कार्यकर्ता एडवोकेट विनोद गुरी ने हरियाणा, विशेषकर हिसार जिले के सरकारी विद्यालयों की बदहाल स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि मानसून की शुरुआत के साथ ही सरकार के शिक्षा व्यवस्था सुधारने के दावे पूरी तरह खोखले साबित हो गए हैं। शिक्षा विभाग की रिपोर्ट ने यह स्पष्ट कर दिया है कि प्रदेश के अनेक सरकारी विद्यालयों की इमारतें जर्जर और कंडम हो चुकी हैं फिर भी हजारों बच्चे अपनी जान जोखिम में डालकर इन भवनों में शिक्षा ग्रहण करने को मजबूर हैं।

रोटरी हिसार ने बनाई चार नई सेवा इकाइयां

महिला नेतृत्व को मिला सम्मान, मीनू गुप्ता बनीं रोटरी सुपर चैंपियन हिसार की अध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। रोटरी हिसार के नवनियुक्त पदाधिकारी पद एवं गोपनीयता की शपथ ग्रहण करते हुए।

समाज सेवा के क्षेत्र में नई सोच के साथ आगे बढ़ते हुए रोटरी हिसार ने इस वर्ष एक अभिनव प्रयोग करते हुए चार अलग-अलग इकाइयों का गठन किया। इसके तहत प्रदीप गुप्ता को रोटरी हिसार, मीनू गुप्ता को रोटरी सुपर चैंपियन हिसार, मनीष गोयल को रोटरी एलिट हिसार तथा वंश गुप्ता को रोटरी चैंपियन चरखी दादरी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस पहल का उद्देश्य सेवा कार्यों को अधिक व्यापक, योजनाबद्ध और प्रभावी बनाना है। नवनियुक्त अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने कहा कि रोटरी हिसार की सेवा परंपरा को और अधिक मजबूत बनाते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, रक्तदान, चिकित्सा शिविर तथा जनहित के कार्यों का विस्तार किया जाएगा। रोटरी सुपर चैंपियन हिसार की अध्यक्ष मीनू गुप्ता ने कहा कि महिला नेतृत्व को मिला यह सम्मान संगठन की प्रगतिशील सोच का परिचायक है।

नई टीम को मिली जिम्मेदारियां

कार्यक्रम में दिनेश गुप्ता को सचिव, अश्वनी गर्ग को उपाध्यक्ष, मनोज महेश्वरी को सार्जेंट एट आर्म्स, दयानंद सिंगला को कोषाध्यक्ष, डॉ. केके वर्मा को ट्रेनर तथा योगेश मित्तल को कम्युनिटी सर्विस का प्रभार सौंपा गया। समारोह का संचालन अनिता भंडारी ने प्रभावशाली ढंग से किया। मुख्य अतिथि गौरव कुमार शर्मा, डायरेक्टर, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने रोटरी हिसार की इस नई कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए कहा कि चार अध्यक्षों के नेतृत्व में संगठन समाज सेवा के क्षेत्र में नई मिसाल कायम करेगा और जनकल्याण के कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाएगा।

78वें जन्मदिन पर प्रधान राधा कृष्ण खटाणा का सम्मान, जनप्रतिनिधियों ने लिया आशीर्वाद

हिसार। पटेल भवन में गुर्जर समाज के वरिष्ठ समाजसेवी एवं प्रधान राधा कृष्ण खटाणा के 78वें जन्मदिवस के अवसर पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में हरियाणा वन विकास निगम के चेयरमैन रवि सैनी तथा नगर निगम के मेयर प्रवीण पोपली विशेष रूप से पहुंचे और प्रधान राधा कृष्ण खटाणा से आशीर्वाद प्राप्त कर उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। इस अवसर पर उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि 78 वर्ष की आयु में भी प्रधान राधा कृष्ण खटाणा पूरी तरह स्वस्थ एवं सक्रिय हैं। उन्होंने समाज के उत्थान और सामाजिक एकता के लिए लंबे समय तक उल्लेखनीय योगदान दिया है, जो नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है। समारोह में बड़ी संख्या में समाज के लोगों ने प्रधान राधा कृष्ण खटाणा को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 7988727916, 9315429403, 9253681005

संगठन की मजबूती व एसआईआर अभियान बारे जिला कांग्रेस की मासिक बैठक

एसआईआर अभियान में एक भी पात्र मतदाता न छूटे, अपात्र का नाम भी शामिल न हो : बृजलाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। बैठक को संबोधित करते कांग्रेस जिला अध्यक्ष बृजलाल बहबलपुरिया।

जिला कांग्रेस कमेटी की मासिक बैठक रविवार को कांग्रेस भवन में जिला अध्यक्ष बृजलाल बहबलपुरिया की अध्यक्षता में हुई। बैठक में संगठन की मजबूती, आगामी कार्यक्रमों तथा विशेष रूप से एसआईआर अभियान की प्रगति, चुनौतियों और आगे की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में जिलेभर से आए पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने क्षेत्रों में चल रहे एसआईआर अभियान की जानकारी साझा की तथा अभियान के दौरान सामने आ रही समस्याओं, मतदाता सूची से संबंधित विषयों और प्रशासनिक सहयोग को लेकर अपने सुझाव रखे। सभी ने अभियान को पूरी गंभीरता और सक्रियता से आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष बृजलाल बहबलपुरिया ने कहा कि कांग्रेस का उद्देश्य स्पष्ट है कि एक भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची से न छूटे और किसी भी अपात्र व्यक्ति का नाम सूची में शामिल न हो।

तुरंत करें संपर्क

यदि किसी भी कार्यकर्ता को अभियान के दौरान किसी प्रकार की समस्या, जानकारी, मार्गदर्शन अथवा प्रशासनिक सहयोग की आवश्यकता हो तो वह तुरंत जिला कांग्रेस कार्यालय या सीधे उनसे संपर्क करे। संगठन प्रत्येक कार्यकर्ता के साथ मजबूती से खड़ा है और हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

C.R. LAW COLLEGE
RAJGARH ROAD, HISAR
Seth Chhaju Ram (1901-1943)
(Affiliated to GJUS&T, Hisar & Approved by Bar Council of India)
Permanent Recognition (NOC) from Haryana Govt.
ADMISSION OPEN For Academic Session 2026-27
DIRECT ADMISSION ON MERIT BASIS
B.A. LL.B. 5 YEAR INTEGRATED COURSE AFTER 10+2 — LAST DATE : 06 JULY 2026
LL.B. (Professional) 3 YEAR DEGREE COURSE AFTER GRADUATION — LAST DATE : 30 JULY 2026
For General Category Candidates Minimum 45% Marks aggregate and for SC/ST Candidates Minimum 40% Marks aggregate in the qualifying exam (Any Stream)
LL.M. 2 YEAR PROGRAMME — LAST DATE 30 JULY 2026 — For General Category Candidates Minimum 50% Marks in the aggregate and for SC/ST Candidates Minimum 45% Marks in LL.B.
APPLY ONLINE FOR ADMISSION
www.crlawcollege.com | crlawcollege5@gmail.com | crlawcollegeofficial
Helpline Number: 89508-48988, 9812126302, 9466441636, 01662-254270
Dr. Krishan Kumar Kajal, Principal
Sh. Dildar Singh Poonia, President, Jat Educational Society, Hisar